TNF TODAY

टीएनएफ टुडे

थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे

tnftoday | tnftoday

www.tnftoday.com / epaper | Trial Edition | 27 धार्मिक स्थलों पर कार्रवाई की तलवार (पेज-3) | पृष्ठ- 08 | वर्ष-01 अंक-19 | मूल्य ₹7 | शनिवार | दिनांक- 18.07.2026

नागरिकता तय नहीं कर सकता चुनाव आयोगः सीजेआई सूर्यकांत

एजेंसी, नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को मौखिक तौर पर यह बात दोहराई है कि स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन में मतदाता सूची से नाम कटने भर से किसी की नागरिकता अपने आप खत्म नहीं हो जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया है कि वह बिहार एसआईआर पर अपने फैसले में ही यह बात स्पष्ट कर चुका है।

सुप्रीम कोर्ट में भारत के चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना ने प्रसेनजीत बोस नाम के याचिकाकर्ता की याचिका पर सुनवाई के दौरान यह बात कही। लाइवलॉ के अनुसार वे कई याचिकाओं के माध्यम से एसआईआर के बाद वोटर लिस्ट से बाहर हुए लोगों के लिए कई तरह की राहत चाहते हैं।

एससी ने दिया बिहार SIR जजमेंट का हवाला

इन दलीलों पर जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने कहा कि बिहार एसआईआर जजमेंट में ही अदालत ने कहा है कि नागरिकता तय करने के लिए चुनाव आयोग संवैधानिक अथॉरिटी नहीं है। उन्होंने कहा, 'हम इससे वाकिफ हैं। बिहार एसआईआर जजमेंट में हमने साफ किया था कि जैसे ही (चुनाव आयोग का) कोई फैसला हो, चुनाव आयोग की यह जिम्मेदारी है कि नागरिकता कानून के तहत फैसला लेने के लिए उसे इसे मंत्रालय को भेजना होगा। जबतक यह नहीं होता, यथास्थिति बनी रहे।'

नागरिकता तय नहीं कर सकता चुनाव आयोग

इसपर याचिकाकर्ता के वकील ने अदालत से कहा कि किसी ने नहीं सोचा था कि एसआईआर के बाद सरकार मतदाता सूची से नाम कटने वाले लोगों को अन्य लाभों से वंचित करना शुरू कर देगी। इसपर सुप्रीम कोर्ट ने कहा- हमारा जजमेंट स्पष्ट है, आर्टिकल 9, 10, 11 और 12 के संबंध में चुनाव आयोग संवैधानिक अथॉरिटी नहीं है..चुनाव आयोग का नियंत्रण वोटर लिस्ट पर है। वह किसी को नहीं शामिल करने का फैसला ले सकता है। लेकिन, इससे नागरिकता का दर्जा अपने आप खत्म नहीं हो जाता।

शिक्षक के बेटे ने बढ़ाया चंबल घाटी का मान

आदित्य समाधियां ने नीट में रचा इतिहास

ईडब्ल्यूएस में 6वीं रैंक के साथ एम्स दिल्ली में हुआ चयन

- कड़ी मेहनत और अनुशासन से मिला मुकाम, पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर

टीएनएफ टुडे, पिनाहट।

कस्बा पिनाहट के लिए गर्व का पल। यहां के होनहार छात्र आदित्य समाधियां ने नीट यू जी 2026 परीक्षा में शानदार प्रदर्शन कर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन कर दिया है। आदित्य ने ई डबल्यू एस श्रेणी में ऑल इंडिया 6वीं रैंक और ऑल इंडिया जनरल रैंक 146 हासिल की है। इस ऐतिहासिक सफलता के साथ आदित्य का चयन देश के सबसे प्रतिष्ठित मेडिकल संस्थान एम्स, नई दिल्ली में एम बी बी एस के लिए हुआ है।

पिता हैं शिक्षक, माँ गृहणी

आदित्य समाधियां पुत्र संदेश समाधियां निवासी पिनाहट के रहने वाले हैं। उनके पिता संदेश समाधियां पेशे से शिक्षक हैं और माता गृहणी हैं। आदित्य ने शुरूआती पढ़ाई पिनाहट से ही की। 12वीं के बाद से ही उनका सपना डॉक्टर बनकर लोगों की सेवा करने का था। इसी लक्ष्य को पाने के लिए उन्होंने दिन-रात एक कर पढ़ाई की।

रोज 10-12 घंटे की पढ़ाई

आदित्य ने बताया कि नीट की तैयारी के दौरान वह रोजाना 10 से 12 घंटे पढ़ाई करते थे। ऑनलाइन क्लास, मॉक टेस्ट और सेल्फ स्टडी को उन्होंने अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाया। उन्होंने कहा कि "सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। लक्ष्य तय करके लगातार मेहनत और अनुशासन से हर मुश्किल आसान हो जाती है।"

परिवार और क्षेत्र में खुशी

आदित्य के चयन की सूचना मिलते ही घर और पूरे पिनाहट क्षेत्र में खुशी का माहौल है। परिजनों, रिश्तेदारों, शिक्षकों और क्षेत्रवासियों ने उनके घर पहुंचकर बधाई दी और मिठाइयां बांटीं। लोगों ने आदित्य को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

स्कूल के शिक्षकों ने बताया कि आदित्य बचपन से ही मेधावी छात्र रहा है। उसकी लगन और विनम्र स्वभाव सभी को प्रेरित करता है।

आगे का लक्ष्य

एम्स दिल्ली में प्रवेश मिलने पर आदित्य ने कहा कि वह एक अच्छा डॉक्टर बनकर गरीब और जरूरतमंद मरीजों की सेवा करना चाहते हैं। उन्होंने क्षेत्र के अन्य छात्रों से भी कहा कि कठिन परिस्थितियों में भी हौसला न हारें। थाना क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संस्थाओं ने भी आदित्य की सफलता पर हर्ष जताया है और कहा कि आदित्य जैसे युवा ही क्षेत्र का नाम ऊंचा करेंगे।

कोलकाता एयरपोर्ट मस्जिद विवाद पर बांग्लादेश में भारी बवाल

बीजेपी एमएलए सौरभ के लिए मांगी मौत की सजा

एजेंसी, कोलकाता।

कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस इंटरनेशनल एयरपोर्ट के परिसर में मौजूद एक मस्जिद को दूसरी जगह ले जाने के प्रस्ताव पर चल रहे विवाद के बीच, बांग्लादेश में पश्चिम बंगाल बीजेपी विधायक सौरव सिकदर के लिए मौत की सजा की मांग करने वाले एक विरोध प्रदर्शन ने मामले को एक नया मोड़ दे दिया है।

शुक्रवार को ढाका में बांग्लादेश की नेशनल मस्जिद, बैतुल मुकर्रम के बाहर प्रदर्शनकारियों का एक समूह इकट्ठा हुआ। उनके हाथों में ऐसे बैनर थे जिनमें सिकदर को एयरपोर्ट परिसर से मस्जिद को हटाने की कोशिश के पीछे का खलनायक (विलेन) बताया गया था। खबरों के मुताबिक, प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि दम दम नॉर्थ के विधायक को फांसी दी जाए। सिकदार, जिनके दम दम नॉर्थ विधानसभा क्षेत्र में कोलकाता एयरपोर्ट आता है, मस्जिद को दूसरी जगह ले जाने की पुरजोर वकालत करते रहे हैं। उनका तर्क है कि मस्जिद की जगह सुरक्षा और कामकाज के लिहाज से चिंता का विषय है। उन्होंने पहले भी केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सामने यह मुद्दा उठाया था और सुरक्षा में कथित खामियों तथा एयरपोर्ट के विस्तार की जरूरत का हवाला दिया था। विरोध-प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए सिकदार ने कहा कि उन्हें पत्रकार दोस्तों से प्रदर्शन के वीडियो मिले हैं और दावा किया कि इस विरोध का मकसद उन्हें डराना-धमकाना था।

अपने रुख का बचाव करते हुए विधायक ने कहा कि एयरपोर्ट के विस्तार और यात्रियों की सुरक्षा, दोनों के लिए मस्जिद को दूसरी जगह ले जाना जरूरी है। उन्होंने दावा किया कि यह ढांचा एक हाई-सिक्योरिटी 'लेवल-3 जोन' में है, जहां से प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और अन्य वीआईपी को ले जाने वाली उड़ानें गुजरती हैं।

मैं किसी भी कीमत पर 20 जुलाई तक ज़िंदा रहूंगा: वांगचुक

नई दिल्ली। जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने शुक्रवार को कहा कि वह 'किसी भी कीमत पर 20 जुलाई तक जीवित रहेंगे'। उनकी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल का आज 20वां दिन है और डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि लंबे समय से चल रहा उनका उपवास अब गंभीर स्थिति में पहुंच गया है। परीक्षा में कथित गड़बड़ियों को लेकर जंतर-मंतर पर 'कॉकरोच जनता पार्टी' का विरोध प्रदर्शन 28वें दिन में प्रवेश कर गया है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने शुक्रवार को वांगचुक और अन्य प्रदर्शनकारियों से मुलाकात की। सोनम वांगचुक के स्वास्थ्य को लेकर हाई कोर्ट के द्वारा चिंता जताए जाने के बाद जंतर-मंतर पर गहमा-गहमी बढ़ गई। वांगचुक के द्वारा संसद मार्च की तैयारियां तेज किए जाने के आह्वान से कार्यकर्ताओं में जोश दिखा। सीजेपीके लोग प्रस्तावित संसद मार्च की तैयारी में नए सिरे से जुट गए। सपा सांसद डिंपल यादव, कांग्रेस नेता शशि थरूर, आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल सहित कई विपक्षी नेताओं ने सोनम वांगचुक से मुलाकात की।

पीएम ने उत्तर भारत की बदली राजनीति

पंजाब में 5470 करोड़ के विकास परियोजनाओं की सौगात

एजेंसी, नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हरियाणा, चंडीगढ़ और पंजाब का एकदिवसीय दौरा केवल 26 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास तक सीमित नहीं रहा। इस दौरे ने उत्तर भारत की राजनीति में भी कई स्पष्ट संकेत दिए। हरियाणा में विकास और बुनियादी ढांचे की नई तस्वीर पेश करने के बाद चंडीगढ़ में स्वास्थ्य और शिक्षा पर जोर तथा अंत में पंजाब में भाजपा की राजनीतिक ताकत दिखाने की कोशिश ने यह संदेश दिया कि पार्टी अब 2027 के पंजाब विधानसभा चुनावों की तैयारी को पूरी गंभीरता से आगे बढ़ा रही है।

हरियाणा के बाद प्रधानमंत्री का पड़ाव चंडीगढ़ रहा, जहां उन्होंने 4,700 करोड़ रुपये से अधिक की स्वास्थ्य, शिक्षा और आधारभूत संरचना से जुड़ी परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। पीजीआईएमईआर में आधुनिक मातृ एवं शिशु केंद्र, तंत्रिका विज्ञान केंद्र और 150 बिस्तरों वाले गहन चिकित्सा ब्लॉक की आधारशिला स्वास्थ्य सेवाओं को नई मजबूती देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम ने यह भी दिखाया कि केंद्र सरकार केवल राजनीतिक रैलियों तक सीमित नहीं है, बल्कि संस्थागत विकास को भी अपनी प्राथमिकता के रूप में प्रस्तुत करना चाहती है। दिलचस्प यह भी रहा कि इस कार्यक्रम में कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी की मौजूदगी ने विकास परियोजनाओं को दलगत राजनीति से ऊपर रखने का प्रतीकात्मक संदेश भी दिया।

कांग्रेस पर पीएम मोदी का निशाना

प्रधानमंत्री ने बिना किसी का नाम लिए कहा कि हाल ही में एक विधायक को सरकारी अधिकारियों पर हमले और वसूली के मामले में सात साल की सजा सुनाई गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि वसूली, अवैध कब्जे और भ्रष्टाचार कुछ राजनीतिक दलों की पहचान बन चुके हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि जनता की सेवा साफ नीयत और ईमानदारी से की जाती है। उन्होंने कांग्रेस पर भी निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी के भीतर नेतृत्व और पदों को लेकर लगातार संघर्ष चलता रहता है, जबकि राज्य के विकास के मुद्दे पीछे छूट जाते हैं।

सबसे बड़ा राजनीतिक केंद्र बना पंजाब

पीएम के पूरे दौरे का सबसे बड़ा राजनीतिक केंद्र पंजाब रहा। जालंधर में भाजपा की रैली और 5,400 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की घोषणा ऐसे समय हुई है, जब कांग्रेस राज्य में आंतरिक गुटबाजी और नेतृत्व संघर्ष से जूझ रही है। प्रदेश कांग्रेस के भीतर लगातार बढ़ते मतभेदों ने विपक्ष की राजनीतिक धार को कमजोर किया है, जबकि भाजपा इस खाली होती राजनीतिक जमीन पर अपनी मौजूदगी मजबूत करने की कोशिश में जुटी दिखाई दी। हम आपको बता दें कि पंजाब में लंबे समय तक सीमित राजनीतिक प्रभाव रखने वाली भाजपा अब अपने बूते चुनाव लड़ने की रणनीति पर आगे बढ़ रही है। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी ने पार्टी कार्यकर्ताओं में नया उत्साह भरने के साथ यह संदेश भी दिया कि भाजपा पंजाब को अब केवल सहयोगी दलों के भरोसे नहीं छोड़ना चाहती। विकास परियोजनाओं, सिख समाज से जुड़ाव और संगठनात्मक शक्ति प्रदर्शन के जरिए भाजपा ने यह संकेत दिया कि वह 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर अभी से माहौल बनाने में जुट गई है। कुल मिलाकर देखें तो हरियाणा में विकास का प्रदर्शन, चंडीगढ़ में संस्थागत निवेश और पंजाब में राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन, इन तीनों पड़ावों ने प्रधानमंत्री मोदी के इस दौरे को केवल सरकारी कार्यक्रमों की श्रृंखला नहीं रहने दिया। यह दौरा उत्तर भारत की बदलती राजनीतिक बिसात पर भाजपा की दीर्घकालिक रणनीति का स्पष्ट संकेत बनकर उभरा, जिसमें विकास और राजनीति दोनों समानांतर रूप से आगे बढ़ते दिखाई दिए।

संसद के मॉनसून सत्र में सरकार फिर पेश कर सकती है डिलिमिटेशन बिल

एजेंसी, नई दिल्ली।

सोमवार से शुरू हो रहे संसद के मॉनसून सत्र के लिए सरकार ने जो टेंटेटिव अजेंडा जारी किया है उसमें भले ही डिलिमिटेशन बिल नहीं है लेकिन सूत्रों के मुताबिक सरकार मॉनसून सत्र में डिलिमिटेशन बिल ला सकती है। इसके लिए एनडीए के बड़े नेता नंबर जुटाने की कोशिश में लगे हैं। दूसरी तरफ विपक्ष भी पूरी तरह सतर्क है। सरकार के पास अभी बिल को पास कराने के लिए जरूरी नंबर नहीं हैं। डिलिमिटेशन से जुड़ा प्रस्ताव संविधान संशोधन का मामला है। ऐसे किसी भी बिल को पारित कराने के लिए दोनों सदनों में उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के कम से कम दो-तिहाई मतों की जरूरत होती है।

अप्रैल में विशेष सत्र के दौरान सरकार ने संविधान (131वां संशोधन) विधेयक पेश किया था लेकिन उसे जरूरी दो तिहाई समर्थन नहीं मिल पाया। इसके बाद सरकार ने उससे जुड़े डिलिमिटेशन विधेयक को आगे नहीं बढ़ाया। अब मॉनसून सत्र में बदले राजनीतिक हालात के बीच सरकार नए सिरे से कोशिश कर सकती है।

बदले समीकरणों पर बीजेपी की नजर

बीजेपी सूत्रों के मुताबिक हालिया विधानसभा चुनावों के बाद जो राजनीतिक समीकरण बदले हैं उससे बीजेपी के लिए कई और दलों से भी बातचीत का रास्ता खुला है। एनसीपी (एसपी) के साथ ही डीएमके पर भी बीजेपी की नजर है। डीएमके के लोकसभा में 22 और राज्यसभा में 8 सांसद हैं। डीएमके और कांग्रेस के बीच की दूरी के बीच बीजेपी को अपने लिए कुछ मौका दिख सकता है। बीजेपी के एक नेता ने अनौपचारिक बातचीत में कहा कि पक्ष में वोट करने के अलावा वोटिंग से बाहर रहना भी समर्थन का एक तरीका हो सकता है।

बद्रीनाथ मंदिर चोरी: पूर्व मंदिर अधिकारी राजेंद्र चौहान गिरफ्तार

देहरादून। उत्तराखंड में बद्रीनाथ मंदिर के पूर्व मंदिर अधिकारी राजेंद्र चौहान को बद्रीनाथ मंदिर के कथित दान चोरी मामले में रुड़की में गिरफ्तार कर लिया है। एसआईटी ने चार घंटे की पूछताछ के बाद उन्हें गिरफ्तार किया। उन्हें कल, 18 जुलाई को कोर्ट में पेश किया जाएगा। आरोपी राजेन्द्र चौहान 30 जून को ही रिटायर हुए थे। आरोप है कि राजेन्द्र चौहान ने अपने पद पर रहते हुए नियमों को ताक पर कहते हुए दान पतियों से आने वाली रकम को धीरे-धीरे गायब कर दिया। बीते दिनों जब मंदिर के ऑडिट में चोरी की खबरें सामने आयीं तो हडकंप मच गया था। जिसके बाद उत्तराखंड पुलिस की एसआईटी इसकी जांच कर रही थी।

क्या है पूरा मामला ?

बदरीनाथ मंदिर में सबसे पहले चोरी का मामला 2 जुलाई को सामने आया। जिसमें भैरव सेना की शिकायत पर बदरी-केदार मंदिर समिति ने मंदिर के सीसीटीवी फुटेज चेक किए। जिसमें मुख्य आरोपी प्रमोद नौटियाल गिनती के बीच नकदी और सोने-चांदी के सिक्के ले जाते दिखे। इस दौरान अन्य कर्मचारी मौजूद नहीं थे।

बिजली रातभर सोई और लोग जागे

टीएनएफ टुडे, आगरा।

- दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड का बड़ा खेल
- शहर की आधी जनता हो रही सौतेले व्यवहार की शिकार

पिछले कुछ दिनों से शहर के उन इलाकों में बिजली की लुकाछिपी का खेल चल रहा है, जिन इलाकों में दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड की सप्लाई चल रही है। बिजली कब चली जाए, कुछ कहा नहीं जा सकता। दिन हो अथवा रात, बारिश हो रही हो या फिर धूप निकल रही हो, विद्युत वितरण निगम का खेल अपने तरीके से चलता है।

वैसे तो प्रदेश की भाजपा सरकार अपने हर काम को जीरो टालरेंस के आधार पर करती है। इसमें कोई शक नहीं। परंतु बिजली विभाग की कहानी हर किसी के लिए किसी पहेली से कम नहीं है। अब इसे सरकार की नाकामी कहें अथवा तमाम विरोधी पार्टियों की मानसिकता लेकर विभागों में बैठे अधिकारी और कर्मचारियों की धृष्टता की पराकाष्ठा। लगता है विभाग के ऐसे अधिकारी और कर्मचारी सरकार की साफ सुथरी छबि को पलीता लगाने में जुटे हैं। तभी तो बिना किसी शिड्यूल और सूचना के बिजसी काट देते हैं। हद तो तब हो जाती है, जब कोई उपभोक्ता बिजली कटने का कारण जानने के लिए संबंधित अधिकारी को फोन करता है।

पूरा शहर चकाचक हो या सबको कैंडिल डिनर का विकल्प

एक राष्ट्र, एक चुनाव की तर्ज पर क्यों नहीं होती शहर की व्यवस्था। या तो पूरा शहर टोरंट पावर के हवाले कर दिया जाए अथवा पूरा शहर दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के साथ खेल खेलता दिखे। जनता को तब बुरा लगता है जब आधा शहर बिजली से चकाचक होता है और आधा शहर कैंडिल के हवाले हो जाता है।

तब नासमझ उपभोक्ता प्रदेश की सरकार को ही कोसते नजर आते हैं। उन्हें नहीं पता होता कि कैंडिल डिनर का विकल्प विपक्षी मानसिकता वाले अधिकारियों की देन है।

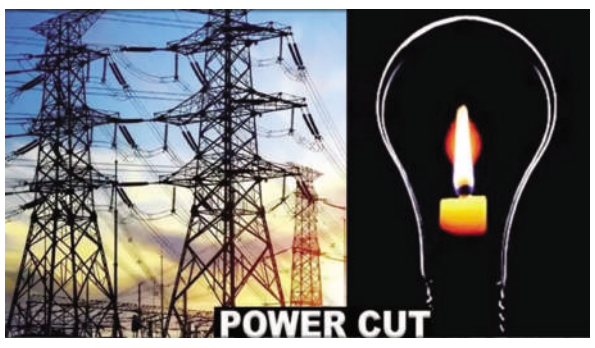

समय पर बिल मिलता है न बिजली

जब से विभाग ने स्मार्ट मीटर लगवाए हैं। उपभोक्ताओं की अपनी अलग ही परेशानी रहती है। उन्हें न तो समय पर बिल मिलता है और न बिजली। बिल भी मैसेज के जरिए मनमाना भेज दिया जाता है। कनेक्शन कटने से बचने के चक्कर में लोग बिना पूछे बताए बिल जमा कर आते हैं। पिछले लगभग सालभर से व्यवस्था बेपटरी हुई पड़ी है। हालांकि प्रदेश की सरकार व्यवस्था पटरी पर लाने के लिए आए दिन आदेशों में बदलाव करती देखी जा सकती है।

इन इलाकों में गुल रही बिजली

बुधवार की रात दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड की मेहरबानी वाले इलाके खासकर बोदला, अमरपुरा, अलबतिया, मारुति स्टेट, राहुलनगर, भगवती विहार के अलावा अन्य तमाम क्षेत्रों में बिजली पूरी रात गुल रही। ऐसे में कोई सोता तो कैसे... बिजली तो थी ही नहीं। गुरुवार और शुक्रवार की रात भी कुछ इसी तरह चलता रहा।

दिव्यांग छात्राओं को मिलेगी मुफ्त ई-ट्राईसाइकिल

प्रत्येक विधानसभा सीट से चुनी जाएंगी 20 पात्र छात्राएं

टीएनएफ टुडे, आगरा।

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी दिशा में सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए एक बेहतरीन कल्याणकारी योजना की शुरूआत की है। इसके तहत स्कूल, कॉलेज या किसी भी व्यावसायिक प्रशिक्षण (ट्रेनिंग) केंद्र में पढ़ाई कर रही दिव्यांग छात्राओं को मुफ्त ई-ट्राईसाइकिल वितरित की जाएगी। ताकि संसाधनों और परिवहन के अभाव में किसी भी बेटी की शिक्षा बीच में न छूटे।

इस योजना को जमीनी स्तर पर पारदर्शी तरीके से लागू करने के लिए रूपरेखा तैयार कर ली गई है। दिशा- निर्देशों के अनुसार जनपद की प्रत्येक विधानसभा सीट से 20-20 सबसे योग्य और पात्र दिव्यांग छात्राओं का चयन किया जाएगा। इस व्यवस्था से जिले के सभी क्षेत्रों की जरूरतमंद छात्राओं को समान रूप से योजना का लाभ मिल सकेगा। 16 वर्ष या उससे अधिक आयु की ऐसी दिव्यांग छात्राएं जो किसी विद्यालय या संस्थान में अध्ययनरत हैं, वे इसके लिए आवेदन कर सकती हैं। लाभार्थियों के चयन में गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) श्रेणी की उन छात्राओं को विशेष प्राथमिकता दी जाएगी। जिनके परिवार का कोई सदस्य आयकरदाता नहीं है। लक्ष्य शेष रहने पर दिव्यांगता की गंभीरता और आय के बढ़ते क्रम के आधार पर अन्य छात्राओं का चयन किया जाएगा। आवेदन के लिए यूडीआईडी कार्ड, आधार कार्ड, आय- जाति-निवास प्रमाण पत्र, 2 फोटो और अध्ययनरत होने का प्रमाण पत्र अनिवार्य है।

...ऐसे कैसे बुझेगी बाह की प्यास

नहर निर्माण का दूसरा चरण अभी शुरू ही नहीं हुआ

- सरकार की गंगाजल योजना अभी इंतजार के हवाले

टीएनएफ टुडे, बाह।

कहने को तहसील बाह तीन नदियों के दुआबे में बसी है। मगर, ये भी सच है कि हम समुद्र तल की सबसे ऊँचाई वाली सतह पर रह रहे हैं। तहसील बाह की भौगोलिक स्थिति से साफ है कि पानी 60 से 70 हाथ गहरा था। यहाँ नलकूप की बोरिंग 160 से शुरू अब 500 फुट से ज्यादा गहराई तक जा पहुंची है। बाह के गिरते जल स्तर की चिंता में पहले निजी नलकूप खुदना बन्द किये गए। बोरिंग के लिए ड्राई एरिया घोषित हुआ। सिंचाई के लिए राजकीय नलकूप भी राहत नहीं दे सके। इसके बाद यूरोपियन आर्थिक समुदाय ने सौ से ज्यादा नलकूप खोदे। मगर, बाह की प्यास कोई नहीं बुझा पाया।

ग्रामीण पेयजल समूह योजना में बनी टंकिया जमींदोज होती जा रही है। ईईसी के लिए बना बिजलीघर प्रस्तावित हुआ। वह कागजों पर ही बनके समिट गया। 70 के दशक में प्रस्तावित नहर तीस साल बाद अधूरी प्रस्ताव के नाम से शुरू हुई। ये योजना लिफ्ट करके पानी लेने की थी। जो पूरी होना तो दूर आधी ही बन सकी। अभी दूसरा चरण शुरू होता कि चम्बल में पानी की कमी का रोना शुरू हो गया। बताते चलें, चम्बल में अब आधा दर्जन हमारी नहर जैसी योजना संचालित होने से ये संकट बना हुआ है।

... और देखते ही देखते बिकने लगा पानी

हैण्ड पम्प जमीं में चले गए। कुआं अंधे हो गए। पीने का पानी बाह मे बिकने लगा है। नगर पालिका बाह ब्लाक और सभी गाँव कस्बे में पेयजल की किल्लत बनी हुई है। तहसील का एक 22 किमी का हिस्सा राजस्थान की सीमा से जुड़ा है। जिससे 80 से दो दशकों तक हम यही सोचते रहे कि जल स्तर गिरता ही जा रहा है। मगर तहसील का 40 किमी का समूचा क्षेत्र इस संकट से ग्रसित था। नहर यही सोचकर प्रस्तावित की गई। मगर, वह अपने लक्ष्य से दूर ही रह गई।

गंगाजल तो अभी सपना ही है

स्थानीय सांसद राजकुमार चाहर की गंगाजल योजना प्रतीक के रूप में तहसील भर में दिख रही है। इतनी दूर से आने वाला पानी ग्रामीण पेयजल योजना की जलाशयों में यदि डाला गया तो जनता तक कैसे पहुंचेगा। अभी फिलहाल 7 साल से सपना ही लग रही है ये योजना।

सैंया राजकीय कालेज में 1020 सीटों पर होंगे दाखिले

टीएनएफ टुडे, खेरागढ़।

- वेब पंजीकरण की सुविधा परिसर में ही
- छात्रवृति के साथ मिलेंगे स्मार्टफोन-टैबलेट

राजकीय महाविद्यालय सैंया, खेरागढ़ में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए स्नातक कक्षाओं में प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। इंटरमीडिएट उत्तीर्ण छात्र-छात्राएं अब बी.ए., बी.एससी. और बीकॉम पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए महाविद्यालय परिसर में ही वेब पंजीकरण कराकर अपना दाखिला सुनिश्चित करा सकते हैं।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रविंद्र कुमार ने बताया कि इस वर्ष कला, विज्ञान और वाणिज्य संकाय में कुल 1020 सीटों पर प्रवेश होंगे। इनमें बी.ए. की 480, बी.एससी. की 360 और बी.कॉम. की 180 सीटें निर्धारित हैं। महाविद्यालय में कला संकाय के अंतर्गत हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, इतिहास, भूगोल, शारीरिक शिक्षा, चित्रकला एवं संगीतवादन तथा विज्ञान संकाय में जन्तु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान एवं गणित विषयों की पढ़ाई की सुविधा उपलब्ध है। प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थियों को हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की अंकतालिका और प्रमाणपत्र, आधार कार्ड, जाति एवं आय प्रमाणपत्र तथा तीन पासपोर्ट आकार के फोटो लेकर महाविद्यालय पहुंचना होगा, जहां वेब पंजीकरण की पूरी सुविधा उपलब्ध कराई गई है। प्राचार्य ने बताया कि महाविद्यालय में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग से चयनित प्राध्यापकों द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षण कराया जाता है। नियमित पढ़ाई के साथ विद्यार्थियों को रोजगारपरक प्रशिक्षण, विभिन्न सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में भागीदारी तथा शासन की योजनाओं के तहत छात्रवृत्ति, शुल्क प्रतिपूर्ति, स्मार्टफोन और टैबलेट जैसी सुविधाओं का भी लाभ मिलेगा।

मकान की दीवार तोड़कर चोरी

खेरागढ़। थाना क्षेत्र के नबाब बसई रोड स्थित गांव डूंगरवाला में बेखौफ चोरों ने गुरुवार की रात एक मकान को निशाना बनाकर लाखों नहीं, लेकिन परिवार की मेहनत की कमाई और जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। चोर मकान की पिछली दीवार तोड़कर भीतर घुसे और अलमारी व संदूकों के ताले तोड़कर तीन जोड़ी चांदी की पायल, 13,500 रुपये की नकदी तथा एक मिक्सी चोरी कर ले गए। हैरानी की बात यह रही कि वारदात के दौरान पूरा परिवार घर में सोता रहा और किसी को भनक तक नहीं लगी। पीड़िता कल्पना ने बताया कि रात में वह अपने दो बच्चों के साथ कमरे में सो रही थीं। घर में उनकी सास इंद्रा देवी और जन्म से दृष्टिबाधित देवर रामबरन भी मौजूद थे। इसी दौरान चोर मकान के पीछे की दीवार तोड़कर अंदर घुस आए। उन्होंने आराम से अलमारी और संदूकों के ताले तोड़े, सामान खंगाला और कीमती सामान समेटकर फरार हो गए। शुक्रवार सुबह करीब पांच बजे कल्पना कमरे से बाहर निकलीं तो मकान की पिछली दीवार टूटी देख उनके होश उड़ गए। अंदर पहुंचने पर अलमारी और संदूक खुले पड़े थे तथा सामान बिखरा हुआ था। जांच करने पर तीन जोड़ी चांदी की पायल, 13,500 रुपये की नकदी और एक मिक्सी गायब मिली। सूचना मिलते ही गांव के लोग मौके पर पहुंच गए। सूचना पर डायल-112 और थाना पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने साक्ष्य जुटाने के साथ आसपास के लोगों से पूछताछ की और चोरों की तलाश शुरू कर दी है वहीं ग्रामीणों ने रात में पुलिस गश्त बढ़ाने और चोरी की घटनाओं का शीघ्र खुलासा करने की मांग की है।

चकरोड काटकर पक्की दीवार बनाने का आरोप

पिनाहट (आगरा)। थाना पिनाहट क्षेत्र के गांव पड़वापूरा पूरा में चकरोड को काटकर अपने खेत में मिलाने और उस पर पक्की दीवार बना देने का मामला सामने आया है। विरोध करने पर आरोपियों द्वारा गाली-गलौज व मारपीट की धमकी दिए जाने का आरोप लगाते हुए पीड़ित किसान ने शुक्रवार को थाना प्रभारी को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित विवेक पुत्र दयाशंकर निवासी ग्राम पद्धुआपुरा ने बताया कि गांव के ही कंचनपाल पुत्र हरेपाल, श्रीओम व कोमल पुत्र कंचनलाल और डिम्पल पुत्र दयाशंकर ने उसके खेत से होकर जाने वाले चकरौड को काटकर अपने खेतों से मिला दिया है। साथ ही चकरोड पर पक्की दीवार भी बना दी है। जिससे उसके खेत तक जाने का रास्ता बंद हो गया है। पीड़ित का आरोप है कि जब उसने इसका विरोध किया तो उपरोक्त सभी लोग गाली-गलौज करने लगे और मारपीट-झगड़ा करने की धमकी दी। पीड़ित ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। थाना प्रभारी बीपी गिरी ने बताया कि तहरीर प्राप्त हो गई है। मामले की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

नवनियुक्त एसडीएम ने संभाला कार्यभार

खेरागढ़। आजमगढ़ से स्थानांतरित होकर आए पीसीएस अधिकारी नरेन्द्र गंगवार ने शुक्रवार को खेरागढ़ के उप जिलाधिकारी (एसडीएम) के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया। कार्यभार ग्रहण करने के बाद नवागत एसडीएम नरेन्द्र गंगवार ने कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता प्रशासनिक एवं न्यायिक कार्यों को प्रभावी, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से संचालित करना होगी। उन्होंने कहा कि न्यायालय में लंबित राजस्व मामलों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर विशेष जोर दिया जाएगा, ताकि फरियादियों को समय पर न्याय मिल सके।उन्होंने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाना, राजस्व कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखना तथा आमजन की शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित करना उनकी कार्यशैली का प्रमुख हिस्सा रहेगा।

जामुन के लिए मारपीट, तीन घायल

फतेहाबाद। थाना फतेहाबाद के गांव बिचोला में एक स्कूल के पास जामुन को लेकर मारपीट कर दी। जिसमें भाई-बहन सहित तीन घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को मेडिकल के लिए भेजा गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार दीनदयाल निवासी नगला गड़रिया ने बताया कि वह बिचौला गांव में स्थित एक प्राइवेट स्कूल में चौकीदारी करता है। गुरुवार की शाम स्कूल परिसर में मेरा भतीजा रामब्रज जामुन बीन रहा था। तभी नगला गड़रिया के बच्चे दीवार के सहारे स्कूल के अंदर घुस गए और मेरे भतीजे के साथ मारपीट की और उससे जामुन छुड़ा लिए। तभी जानकारी मैं पहुंच गया और उन बच्चों को भगा दिया। तभी उन बच्चों ने अपने घर शिकायत कर दी। और तभी उनके परिजन हाथों में लाठी-डंडे लेकर स्कूल पर आ गए और गाली-गलौज करने लगे।तभी जानकारी पर मेरे पुत्र सुनील , अनिल व भतीजी रीना भी स्कूल पर आ गए। और गाली-गलौज करने का विरोध करने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इस दौरान मारपीट में अनिल, सुनील उनकी चचेरी बहन रीना घायल हो गई।पुलिस ने घायलों को मेडिकल के लिए भेज दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पूठपुरा में कुत्ते ने आठ लोगों को काटा, घायल

फतेहाबाद। थाना फतेहाबाद क्षेत्र के गांव पूठपुरा में पागल कुत्ते ने स्कूली छात्रों व ग्रामीणों सहित आठ को काटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया, सभी को उपचार के लिए सीएचसी फतेहाबाद में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह थाना फतेहाबाद क्षेत्र के गांव पूठपुरा में प्राइवेट विद्यालय के बच्चे लंच के समय खेल रहे थे। इसी दौरान एक पागल कुत्ता वहां पहुंच गया और उसने छात्र धर्मवीर पुत्र ब्रजराज उम्र 12, नीरज पुत्र राजेंद्र निवासी पूठपुरा, रजत पुत्र हरिओम उम्र 7, सोनू पुत्र साहब सिंह, मोनिका पुत्री सिद्धार्थ, व ग्रामीण नाहर सिंह पुत्र कालीचरन निवासी पूठपुरा,नीरज पुत्र राजेंद्र निवासी पिन्नापुरा, शिवकुमार पुत्र अशोक निवासी चर्रपुरा को काटकर घायल कर दिया जिससे बच्चों में चीख-पुकार मच गई तभी आसपास के लोग लाठी-डंडे लेकर मौके पर पहुंचे और पागल कुत्ते को भगाया उसके बाद पास के गांव नगला लोहिया में पहुंचा गया और खेलते समय देवांश पुत्र राकेश उम्र 3 वर्ष को भी काटकर घायल कर दिया। वहीं सभी घायलों को उपचार के लिए सीएचसी फतेहाबाद में भर्ती कराया गया है।

खनन का वीडियो बनाने पर दबंगों ने पीटा

फतेहाबाद। थाना निबोहरा क्षेत्र में दो अलग-अलग गांव में हुई मारपीट में महिला-पुरुष सहित दो लोग घायल हो गए पुलिस ने घायलों को मेडिकल के लिए भेजा गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना निबोहरा क्षेत्र के गांव कूमपुरा निवासी भूरी सिंह ने बताया कि उसके बड़े भाई ने खेत की मेड़ को काट लिया था। तभी शुक्रवार सुबह विरोध किया तो वह गाली-गलौज करते हुए मेरे साथ मारपीट करने लगे। तभी आवाज सुनकर मेरी पत्नी रीना मुझे बचाने आई तो लाठी-डंडों से हमला कर दिया इस दौरान पत्नी रीना घायल हो गई। वहीं दूसरी घटना थाना निबोहरा क्षेत्र के गांव भोगपुरा की शनिवार 11:30 बजे की है। नरेश पुत्र सुखलाल ने बताया कि गांव के कुछ लोगों ने ट्रैक्टर-ट्राली से मिट्टी अवैध खनन किया गया था। जिसको लेकर विपक्षी कहने लगा कि तुमने मेरे ट्रैक्टर-ट्राली की वीडियो बनाई है मना करने पर उक्त लोगों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया इस दौरान नरेश घायल हो गया। पुलिस ने दोनों घायलों को मेडिकल के लिए भेज दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गोवंश पकड़ने गई नगर निगम की टीम पर लाठी-डंडों से बोला हमला

आगरा। शहर में सड़क पर घूम रहे गोवंश को पकड़ने के लिए कचहरी घाट और गुदड़ी मंसूर खां में नगर निगम की कैटल कैचर टीम ने शुक्रवार को अभियान चलाया। इसमें 16 गोवंश पकड़ लिए गए, लेकिन अचानक लाठी-डंडों के साथ आए पशुपालकों ने टीम पर हमला किया और चार गायें छुड़ाकर अपने साथ ले गए। हालात देखकर टीम बचे हुए 12 गोवंश लेकर चली आई। शुक्रवार दोपहर नगर निगम की कैटल कैचर टीम सुपरवाइजर जगदीश के नेतृत्व में कचहरी घाट और गुदड़ी मंसूर खां पहुंची। यहां दोनों जगहों से सड़क पर घूम रहे 16 गोवंश पकड़ कर वाहन मे लाद लिए। तभी लाठी-डंडों से लैस कुछ पशुपालक गुदड़ी मंसूर खां क्षेत्र में पहुंच गए। उन्होंने नगर निगम की कार्रवाई का विरोध शुरू कर दिया। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया। पशुपालकों ने नगर निगम कर्मचारियों के साथ धक्का-मुक्की करते हुए वाहन में लादी गई चार गायों को जबरन उतार लिया। इस मामले में अपर नगर आयुक्त शिशिर कुमार ने बताया कि निराश्रित गोवंश को छुड़ाने वाले और टीम पर हमला कर सरकारी कार्य में बाधा डालने वाले लोगों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी। संबंधित अधिकारियों से रिपोर्ट मांगी गई है।

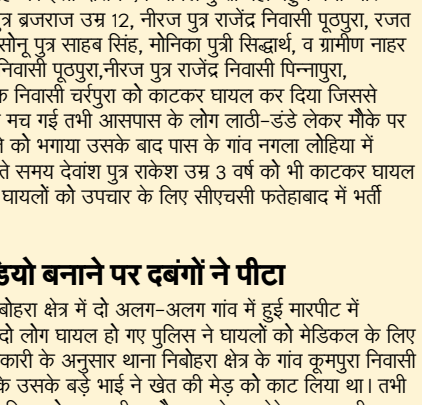

कोर्ट में गवाही देने पर दबंगों ने युवक को पीटा

टीएनएफ टुडे, पिनाहट।

- जान से मारने की धमकी देने का लगाया आरोप
- दीवानी कोर्ट से लौटे युवक ने थाने में दी तहरीर

थाना पिनाहट क्षेत्र में दीवानी कोर्ट में गवाही देने गए एक युवक के साथ गांव के दबंगों ने मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने शुक्रवार को थाना प्रभारी को तहरीर देकर तीन लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

पीड़ित रविप्रकाश पुत्र गंगाराम निवासी मोहल्ला चांदनी चौक ने बताया कि 7 जून 2026 को वह दीवानी कोर्ट से गवाहों को लेकर घर लौट रहा था। पड़ोस में ही रहने वाले गुलाब खा पुत्र हुसैन खा , दिलीप पुत्र महेंद्र सिंह उसके घर पहुंच गए और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने उसके साथ हाथापाई भी की। पीड़ित का आरोप है कि आरोपियों ने धमकी देते हुए कहा कि ₹अगर दोबारा कोर्ट में हमारे खिलाफ गवाही दी तो जान से मार देंगे।₹ डरा-सहमा पीड़ित किसी तरह अपनी जान बचाकर थाने पहुंचा और पुलिस से सुरक्षा की गुहार लगाई। पीड़ित ने बताया कि वह जान-माल के खतरे को देखते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग कर रहा है। थाना प्रभारी वी पी गिरी ने बताया कि तहरीर प्राप्त हो गई है। मामले की जांच कर तथ्यों के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत

फतेहाबाद। थाना निबोहरा क्षेत्र के ग्राम आलमपुर में शुक्रवार सुबह विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के बाद से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना निबोहरा क्षेत्र के ग्राम आलमपुर निवासी शबाना पत्नी फरमान की शुक्रवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका के पति का कहना है कि शबाना की मौत दिल का दौरा पड़ने के कारण हुई है, वहीं दूसरी ओर मायके पक्ष के लोगों ने ससुरालियों पर हत्या का गंभीर आरोप लगाया है। जानकारी पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। प्रभारी निरीक्षक निबोहरा बृजेश कुमार गौतम से बात करने पर बताया कि मृतका की मौत बीमारी के चलते हुई है शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

सहृदय फाउंडेशन एवं पर्यटन विभाग ने रोपे पौधे

टीएनएफ टुडे, आगरा।

सहृदय फाउंडेशन एवं पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में सदर बाजार स्थित पर्यटन विभाग के क्षेत्रीय कार्यालय परिसर में विशेष वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत फलदार, फूलदार एवं छायादार 1100 पौधों का रोपण मियावाकी तकनीक के सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए किया गया।

यह अभियान जल संरक्षण, मृदा संरक्षण, वायु गुणवत्ता में सुधार तथा भूजल स्तर को बढ़ाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे विशेष पर्यावरण संरक्षण अभियान का हिस्सा है। कार्यक्रम में डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के एमएसडब्ल्यू के विद्यार्थियों, सहृदय फाउंडेशन के सदस्यों, पर्यटन विभाग के विभागीय अधिकारियों तथा अनेक समाजसेवियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर पौधारोपण किया। पर्यावरण संरक्षण और भूजल संवर्धन के लिए वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर ही आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित एवं स्वच्छ पर्यावरण सुनिश्चित किया जा सकता है।

सहृदय फाउंडेशन के संस्थापक विष्णु शर्मा ने संस्था द्वारा प्रकृति संरक्षण, जल संरक्षण एवं जनजागरूकता के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। कार्यक्रम में डॉ. विजय वीर सिंह, डॉ. शुभांगी, डॉ. वरुण अग्रवाल, आदित्य कौशिक, आशी राठौर, गौरव वैष्णव, राजकुमार सिकरवार, उत्कर्ष, सोनेन्द्र सिंह, अभिषेक उपाध्याय, गौतम सिंह, प्रमोद, अमित शर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिकों एवं स्वयंसेवकों ने पौधारोपण कर अभियान को सफल बनाया।

हड़ताल पर उतरे स्कूल वैन चालक

- बच्चों और अभिभावकों की मुश्किलें बढ़ी

टीएनएफ टुडे, आगरा।

शहर में स्कूली वैनों के खिलाफ आरटीओ और ट्रैफिक पुलिस की सख्ती का असर अब सीधे अभिभावकों और विद्यार्थियों पर दिखाई देने लगा है। क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाने पर चलाए जा रहे अभियान के विरोध में स्कूल वैन संचालकों ने हड़ताल शुरू कर दी है। इसके चलते शहर के हजारों परिवारों की दिनचर्या प्रभावित हो गई है। पिछले दो दिनों से कई प्रमुख स्कूलों की वैन सेवाएं ठप पड़ी हुई हैं। ऐसे में अभिभावकों को अपने बच्चों को खुद स्कूल छोड़ने और वापस लाने की जिम्मेदारी उठानी पड़ रही है। सुबह के समय स्कूलों के आसपास यातायात का दबाव बढ़ने से जाम जैसे हालात पैदा हो रहे हैं।

दरअसल, स्कूली वाहनों में निर्धारित क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाने की शिकायतों के बाद ट्रैफिक पुलिस और आरटीओ विभाग ने संयुक्त अभियान शुरू किया है। अधिकारियों ने वैन संचालकों को निर्देश दिए कि एक वाहन में आठ से अधिक बच्चों को न बैठाया जाए। चेकिंग अभियान और चालान की कार्रवाई के विरोध में कई वैन संचालकों ने अपनी गाड़ियां खड़ी कर दी हैं। स्कूल वैन बंद होने से सबसे ज्यादा परेशानी नौकरीपेशा और कारोबार करने वाले अभिभावकों को हो रही है। जिन लोगों का काम सुबह के समय शुरू होता है, उन्हें बच्चों को स्कूल पहुंचाने के लिए अपने कामकाज में बदलाव करना पड़ रहा है। अभिभावकों का कहना है कि अचानक वैन सेवा बंद होने से उनकी पूरी दिनचर्या प्रभावित हो गई है। स्कूल वैन हड़ताल का असर शहर की यातायात व्यवस्था पर भी साफ दिखाई दे रहा है।

बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

स्कूल वैनों में क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाने का मुद्दा लंबे समय से चर्चा में रहा है। प्रशासन का कहना है कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। नियमों का पालन हर हाल में कराया जाएगा। वहीं, वैन संचालकों का तर्क है कि सीमित संख्या में बच्चों को बैठाने से उनका संचालन खर्च बढ़ जाएगा। अब अभिभावकों की नजर प्रशासन और वैन संचालकों के बीच होने वाली बातचीत पर टिकी हुई है। ताकि जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान निकल सके।

खंदारी स्थित विवि में सफल कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन

टीएनएफ टुडे, आगरा।

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (आईईटी), स्वामी विवेकानंद परिसर, खंदारी में आदित्य बिड़ला ग्रुप की अग्रणी कंपनी अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड द्वारा एक सफल कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। इस प्लेसमेंट ड्राइव में सिविल इंजीनियरिंग तथा एमबीए (सेल्स) के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। चयन प्रक्रिया के अंतर्गत अभ्यर्थियों का दस्तावेज सत्यापन, प्रारंभिक स्क्रीनिंग तथा व्यक्तिगत साक्षात्कार आयोजित किए गए। कंपनी के अधिकारियों ने विद्यार्थियों के तकनीकी ज्ञान, संप्रेषण कौशल एवं व्यक्तित्व का मूल्यांकन किया। कंपनी की ओर से बताया गया कि साक्षात्कार का अंतिम परिणाम आगामी 10 दिनों के भीतर घोषित किया जाएगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. आशु रानी ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय उद्योगों के साथ निरंतर सहयोग स्थापित कर विद्यार्थियों को बेहतर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम के दौरान इंजी. प्रताप सिंह बिरला, डॉ. ऋषभ उपाध्याय, शिवानी गुप्ता, इंजी. अंकिता माहेश्वरी, इंजी. शोभित मोहन शर्मा, इंजी. सौरभ पचौरी, डॉ. नागेन्द्र सिंह, इंजी. चंदन कुमार तथा इंजी. अजीत सिंह यादव उपस्थित रहे।

कंटेनर ने ट्रक में टक्कर मारी, हेल्पर घायल

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर तेज रफ्तार कंटेनर चालक ने आगे चल रहे ट्रक में पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में हेल्पर घायल हो गया सूचना पर पहुंची पुलिस व यूपीडा की टीम ने घायल को उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार छोटे खान पुत्र कल्लू खान निवासी मीरगंज जिला बरेली गुजरात से मटर लेकर गाजीपुर जा रहा था।जैसे ही गुरुवार की रात 11:40 बजे के करीब थाना फतेहाबाद क्षेत्र आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के किलोमीटर 20.800 पर पहुंचा तो पीछे से आ रहे कंटेनर चालक डालचंद पुत्र भूरेलाल निवासी हाजीपुर खेड़ा खंदौली आगरा साथ में हेल्पर टिंकू पुत्र खंदौली के साथ गुरुग्राम से फ्लिपकार्ट का सामान लेकर कोलकाता जा रहा था। और पीछे से टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि दोनों ट्रक क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे में कंटेनर का हेल्पर टिंकू घायल हो गया। सूचना पर पुलिस व यूपीडा की टीम मौके पर पहुंची और घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सम्मान समारोह में कवि सम्मेलनः कवियों ने बहाई रसधार

टीएनएफ टुडे, आगरा।

नागरी प्रचरिणी सभा में हिंदी साहित्य सभा के बैनर तले अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन सफलता पूर्वक हुआ। इस अवसर पर आगरा के वरिष्ठ पत्रकार वीरेन्द्र गोस्वामी एवं कवि समाजसेवी पर्यावरणविद् मुन्नालाल मिश्रा का मुख्य अतिथि शॉल, माला, पटका तथा अभिनन्दन पत्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह की अध्यक्षता अंतरराष्ट्रीय गीतकार रामेन्द्र मोहन त्रिपाठी ने की। इससे पूर्व माँ सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्जवलन मुख्य अतिथि महेन्द्र कुमार गोयल एवं विशिष्ट अतिथि ओम ठाकुर, डॉक्टर महेश धाकड़ कवियों के हाथों संपन्न हुआ। सरस्वती वंदना कवयित्री रजिया बेगम जिया ने की। शिकोहाबाद के व्यंग्यकार अरविन्द तिवारी के व्यंग्य समाज की विद्रूपताओं पर आधारित रहे। वहीं, आगरा के वरिष्ठ साहित्यकार शीलेन्द्र वशिष्ठ के गीत खूब सुने गये।

शांत... निश्चल... क्षितिज पट निस्तब्ध है
बहता मधुर मलयज दिशाएं मौन
सूरज ढल रहा है

संक्रमण का द्वंद्व भीतर पल रहा है!

इन्दौर के हास्यव्यंग कवि सत्येन वर्मा ने कहा-

शहर की गलियाँ शहर की राहें
चौराहे सब जाने हैं
हम आवारा अपने शहर के सारा
शहर हमें जाने है

धोखा देना धोखा खान सीख गये हैं

शहर के लोग शहर में रहकर हमने जान दूर के ढोल सुताने हैं।

अनेक विषयों पर करारे व्यंग्य किए। धौलपुर से पधारी कवयित्री रजिया बेगम जिया के श्रृंगार के गीत दिलो दिमाग पर छा गये। उन्होंने कहा- ₹सुंदर सा इक चित्र हृदय के द्वार टंगा रहता है।

रंग भरो खाली खाली है बात यही कहता है।

फिरोजाबाद के राष्ट्रीय हास्य व्यंग्य कवि की ड़ेढ़ लाइों वाली व्यंग्य क्षणिकाएं खूब सराही गयी। बाह के कवि शिवराम यादव शांति ने एक सवैया प्रस्तुत किया।

पूत कपूत हुए कुछ हैं, सहयोग नहीं करते घर में।
पास पड़ोस करें झगड़ा, हथियार लिए फिरत।

TNF TODAY
टीएनएफ टुडे
थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे
tnftoday tnftoday
www.tnftoday.com / epaper

27 धार्मिक स्थलों पर कार्रवाई की तलवार

अदालत ने उठाए अहम सवाल, आदेश सुरक्षित रखा, नोटिस के 60 दिन बाद भी अफसरों ने नहीं की कार्रवाई

टीएनएफ टुडे, आगरा।

टेढ़ी बगिया स्थित बीच सड़क पर बनी रहमानी मस्जिद सहित 27 कथित अवैध मस्जिदों, मजारों और दरगाहों के ध्वस्तीकरण की मांग को लेकर दायर वाद पर शुक्रवार को विशेष न्यायाधीश (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम) मृदुल दुबे की अदालत में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने वादी की ओर से दायर याचिका के दायरे और अधिकार को लेकर कई महत्वपूर्ण सवाल उठाए। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद न्यायालय ने मामले में आदेश सुरक्षित रख लिया। आदेश शनिवार तक आने की संभावना जताई जा रही है।

यह वाद योगी यूथ ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष एवं तेजोमहालय प्रकरण के पक्षकार कुंवर अजय तोमर ने अपने अधिवक्ता शिव आधार सिंह तोमर के माध्यम से दायर किया है। वाद में आगरा के जिलाधिकारी, नगर निगम के नगर आयुक्त, लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता तथा छावनी परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं संपदा अधिकारी को प्रतिवादी बनाया गया है। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने सबसे पहले यह जानना चाहा कि वादी को यह वाद दायर करने का अधिकार किस आधार पर प्राप्त है। इस पर वादी के अधिवक्ता शिव आधार सिंह तोमर ने अदालत को बताया कि यह वाद प्रतिनिधि क्षमता में दायर किया गया है। वादी को ऐसा करने का विधिक अधिकार प्राप्त है। इसके बाद न्यायालय ने पूछा कि क्या वादी को केवल मस्जिदों, मजारों और दरगाहों के बीच सड़क अथवा सरकारी भूमि पर बने होने की जानकारी है, या फिर मंदिरों के संबंध में भी ऐसी कोई जानकारी है। इस पर अधिवक्ता ने अदालत को बताया कि वादी ने उन्हीं तथ्यों के आधार पर वाद दायर किया है, जिनकी उन्हें जानकारी थी।

जिन मामलों की जानकारी नहीं है, उनका उल्लेख याचिका में नहीं किया गया है। याचिका में बताया गया है कि कुंवर अजय तोमर ने 20 अप्रैल 2026 को धारा 80 सीपीसी के तहत आगरा के जिलाधिकारी, नगर आयुक्त, पीडब्ल्यूडी के मुख्य अभियंता तथा छावनी परिषद के अधिकारियों को नोटिस भेजकर टेढ़ी बगिया की रहमानी मस्जिद सहित 27 धार्मिक स्थलों पर कार्रवाई की मांग की थी। वादी का कहना है कि नोटिस दिए जाने के 60 दिन बाद भी संबंधित अधिकारियों द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। इसके बाद उन्होंने न्यायालय की शरण लेते हुए वाद दायर किया। याचिका में कहा गया कि सरकारी भूमि, सड़क, फुटपाथ, पार्क और सार्वजनिक स्थानों पर बने धार्मिक स्थलों के कारण यातायात बाधित होता है। अतिक्रमण की स्थिति पैदा होती है।

ऐसे निमार्णों को हटाया जाना जनहित में आवश्यक है। वादी ने सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों का हवाला देते हुए कहा कि सार्वजनिक भूमि पर बने अवैध धार्मिक स्थलों के संबंध में सुप्रीम कोर्ट समय-समय पर दिशा-निर्देश जारी कर चुका है। उन्हीं के अनुपालन में मांग की जा रही है। अदालत ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया है। मामले में न्यायालय का फैसला आने के बाद आगे की कानूनी प्रक्रिया स्पष्ट होगी।

स्टंटबाजी में ऑटो चालक पर 5000 का जुर्माना

बीच सड़क पर ऑटो से खतरनाक स्टंट करना पड़ा भारी

टीएनएफ टुडे, आगरा।

थाना एत्माद्दौला क्षेत्र में बीच सड़क ऑटो-रिक्शा से खतरनाक स्टंट करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद आगरा यातायात पुलिस ने तत्काल कार्रवाई कर दी। पुलिस ने संबंधित चालक का मोटर वाहन अधिनियम के तहत 5,000 रू. का चालान कर दिया है।

पुलिस ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक सड़कों पर स्टंटबाजी और यातायात नियमों का उल्लंघन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वायरल वीडियो में ऑटो चालक व्यस्त सड़क पर खतरनाक तरीके से स्टंट करता दिखाई देता है। स्टंट के दौरान ऑटो का संतुलन बिगड़ जाता है और चालक वाहन सहित सड़क पर गिर पड़ता है। गनीमत रही कि इस दौरान कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ, लेकिन इस लापरवाही से आसपास से गुजर रहे अन्य वाहन चालकों और राहगीरों की जान भी खतरे में पड़ गई।

का नंबर वढ 80 ङळ 7308 बताया जा रहा है। यह घटना थाना एत्माद्दौला क्षेत्र की बताई जा रही है। वीडियो सामने आने के बाद लोगों ने सोशल मीडिया पर कड़ी नाराजगी जताते हुए ऐसे वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। इसके बाद आगरा यातायात पुलिस ने वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए संबंधित ऑटो चालक की पहचान की और उसके खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत ? 5,000 का चालान किया। यातायात पुलिस का कहना है कि सड़कें स्टंट करने के लिए नहीं हैं। इस तरह की लापरवाही से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है और निर्दोष लोगों की जान जा सकती है। पुलिस ने वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने और सोशल मीडिया पर लोकप्रिय होने के लिए इस तरह के खतरनाक स्टंट से बचने की अपील की है। पुलिस ने चेतावनी दी है कि भविष्य में भी सड़क पर स्टंटबाजी, लापरवाही से वाहन चलाने और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ इसी तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

जीआरपी कैण्ट ने मोबाइल चोर दबोचा

आगरा। रेलवे में आपराधिक घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को थाना जीआरपी आगरा कैण्ट पुलिस टीम ने एक मोबाइल चोर को गिरफ्तार किया है। थाना जीआरपी कैण्ट पुलिस टीम रेलवे स्टेशन पर गश्त और संदिग्ध व्यक्तियों की चैकिंग कर रही थी। इसी दौरान मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी कर अभियुक्त रफीक उस्मानी उर्फ रफीक खान को रेलवे स्टेशन कैण्ट से गिरफ्तार कर लिया। तलाशी लेने पर अभियुक्त के कब्जे से चोरी का मोबाइल फोन बरामद हुआ है।

ट्रैफिक पुलिस की कार्रवाई से भड़के लोग

खेरिया मोड़ पर अजीत नगर बाजार कमेटी और टीएसआई के बीच नोकझोंक

टीएनएफ टुडे, आगरा।

थाना शाहगंज अंतर्गत खेरिया मोड़ चौराहे पर शुक्रवार को ट्रैफिक सब इंस्पेक्टर द्वारा की गई चालान कार्रवाई ने स्थानीय दुकानदारों और बाजार कमेटी के सदस्यों में भारी रोष पैदा कर दिया। कार्रवाई के दौरान टीएसआई और बाजार कमेटी के पदाधिकारियों के बीच तीखी बहस हुई।

आरोप है कि टीएसआई द्वारा उन ग्राहकों के भी चालान काटे जा रहे हैं जो अपनी गाड़ियां दुकानों के सामने खड़ी कर सामान खरीद रहे थे। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि पुलिस की इस मनमानी कार्रवाई से ग्राहकों में डर का माहौल है। बाजार की बिक्री बुरी तरह प्रभावित हो रही है। विरोध उस समय और बढ़ गया जब टीएसआई ने सांसद राजकुमार चाहर के प्रतिनिधि और मीडिया प्रभारी का भी चालान कर दिया।

अजीत नगर बाजार कमेटी की चेतावनी

अजीत नगर बाजार कमेटी के अध्यक्ष राजेश यादव ने स्पष्ट किया कि वे नियमों का पालन करने के पक्ष में हैं। लेकिन पुलिस का यह दोहरा रवैया स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि डग्गामार वाहनों पर ठोस कार्रवाई नहीं की गई और दुकानदारों को बेवजह परेशान करना बंद नहीं हुआ, तो वे उच्च अधिकारियों से मिलकर विरोध प्रदर्शन करेंगे।

अजीत नगर बाजार कमेटी के अध्यक्ष व सदस्यों ने टीएसआई पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि ट्रैफिक पुलिस केवल आम जनता और दुकानदारों को निशाना बना रही है। व्यापारियों का कहना है कि वीआईपी रोड स्थित खेरिया मोड़ पर दिन भर डग्गामार वाहनों और अनियंत्रित टेंपो चालकों की भरमार रहती है। उनके कारण आए दिन जाम की स्थिति बनी रहती है, लेकिन उन पर कोई कार्रवाई नहीं की जाती।

विकास योजनाओं को धार देने पर मंथन

जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति की बैठक

टीएनएफ टुडे, आगरा।

सांसद फतेहपुर सीकरी राजकुमार चाहर की अध्यक्षता व केन्द्रीय मंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल की उपस्थिति में शुक्रवार को विकास भवन सभागार में जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक हुई। इसमें महापौर हेमलता दिवाकर कुशवाह, विधायक पुरुषोत्तम खंडेलवाल, डॉ. जीएस धर्मेश, चौधरी बाबूलाल, भगवान सिंह कुशवाह, छोटेलाल वर्मा, एमएलसी विजय शिवहरे, जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष प्रदीप भाटी आदि मौजूद रहे।

सांसद राजकुमार ने कहा कि आगरा में प्राथमिकता पर अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम के निर्माण की कार्य योजना एडीए या नगर निगम द्वारा बनाई जाएं। महुअर में लैदर पार्क की जमीन पर, या एत्मादपुर में किसी स्थान को चिह्नित कर अन्तर्राष्ट्रीय स्टेडियम की प्रस्तावना की बात कही। चौधरी बाबूलाल ने दक्षिणी बाईपास पर नगला सिकरवार में पड़ी खाली जमीन पर केंद्रीय विद्यालय बनाने के प्रस्ताव दिए। अध्यक्ष, जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति ने शहर के मध्य में किसान भवन की स्थापना करने की कार्ययोजना तैयार करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस हेतु सभी जनप्रतिनिधि वित्तीय सहयोग को तैयार हैं। पेयजल समस्या समाधान हेतु यमुना पर बैराज निर्माण हेतु शासन में तत्काल प्रभावी पैरवी कर अप स्ट्रीम या डाउन स्ट्रीम, बैराज निर्माण की महती आवश्यकता व निर्माण पर बल दिया।

केंद्रीय राज्य मंत्री, मत्स्यपालन, पशुपालन, डेयरी एवं पंचायती राज मंत्रालय प्रोफेसर एसपी सिंह बघेल ने कहा कि ग्राम पंचायतों के अपने राजस्व स्त्रोत से बहुउद्देशीय सामुदायिक भवनों एवं मैरिज हॉल के निर्माण पर धनराशि व्यय करने पर कोई प्रतिबंध नहीं है। अतः सभी पंचायतों में बहुउद्देशीय सामुदायिक भवनों की स्थापना के प्रस्ताव तैयार किए।

विधायक चैधरी बाबूलाल ने फतेहपुर सीकरी क्षेत्र के लगभग 50-60 गांवों की पेयजल समस्या के स्थायी समाधान के लिए उत्तराखंड की लखवार परियोजना के प्रभावी क्रियान्वयन की बात कही। विधायक डॉ. जीएस धर्मेश ने बरौली अहीर सब्जी मंडी से संबंधित प्रकरण का संज्ञान लेकर आवश्यक कार्रवाई करने तथा राजकीय महाविद्यालय उखर्रा में पर्याप्त शिक्षकों एवं अन्य स्टाफ की तैनाती सुनिश्चित कराने का प्रस्ताव रखा। महापौर हेमलता दिवाकर कुशवाहा ने सिकन्दरा-गुरूद्वारे से बाईपुर नाला, टेडी बगिया व एत्मादपुर में एनएचएआई से संबंधित नालों की नियमित सफाई, तथा आवास विकास क्षेत्र में नहर विभाग की पटरी नगर निगम को हस्तांतरित किए जाने का विषय उठाया।

चित्रकला में नैना, निबन्ध में नंदनी प्रथम

आगरा। देश दीपक इंटर कॉलेज दहतौरा में विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं पारंपरिक खेलों का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं में क्रमशः चित्रकला/पेंटिंग में नैना शर्मा (कक्षा 9), निबन्ध प्रतियोगिता में नंदनी (कक्षा 9), काव्य प्रतियोगिता में हर्षिता (कक्षा 12), एवं भाषण प्रतियोगिता में खुशी शर्मा (कक्षा 12) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के उपरांत निर्णायक मंडल द्वारा विभिन्न स्पधाओं के विजेताओं की घोषणा की गई। सभी विजेता प्रतिभागियों को सम्मान स्वरूप गिफ्ट देकर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर कालेज के प्राचार्य देवेन्द्र शर्मा, सत्यवीर सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहे। योजन में संयोजक प्रो. रनवीर सिंह, डॉ. मोहम्मद हुसैन, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. श्रद्धुल मिश्रा की उपस्थिति एवं मार्गदर्शन रहा। प्रतियोगिताएँ एवं परम्परागत खेल विद्यार्थियों में खेल भावना, अनुशासन एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को और अधिक प्रोत्साहित करेंगी।

भूजल संवर्धन के लिए दिलाई शपथ

आगरा। भूजल सप्ताह के दूसरे दिवस शुक्रवार को भूगर्भ जल विभाग द्वारा ग्राम पंचायत मण्डी मिरजा खां, फतेहपुर सीकरी में ग्राम सभा की बैठक एवं गोष्ठी का आयोजन कर भू-जल संचयन, संरक्षण एवं सम्बर्धन के सम्बन्ध में वाद-संवाद कर जल शपथ दिलाई गयी। ग्राम पंचायत जाजौली, फतेहपुर सीकरी के पंचायत भवन में ग्रामीणों को एकत्र कर कृषि एवं घरेलू जल संरक्षण के सम्बन्ध में जागरूक किया गया तथा ग्रामवासियों के घर-घर जाकर पैम्पलेट वितरण कर व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया। इसके साथ ही लोगों को यह बताया गया कि पानी का उपयोग सही तरीके से किया जाये व इसके दोहन को रोकने का प्रयास किया जाये जैसे-घरों की टंकी भर जाने पर तुरन्त बन्द कर दें, सबमर्सिबल पम्प से सीधे पाइप लगाकर धुलाई न करें। पम्पलेट वितरण कर भूजल की वर्तमान स्थिति एवं महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि इसके संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास की महती आवश्यकता है।

जरूरतमंद बच्चों को मिलेंगे 2500 मासिक

आगरा। जिला प्रोबेशन अधिकारी आगरा ने अवगत कराया है कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना सामान्य के अंतर्गत पात्र बच्चों और किशोरों को प्रति माह ?2500 की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। इस योजना का लाभ उन बच्चों को दिया जा रहा है, जिन्होंने 1 मार्च 2020 के पश्चात अपने माता-पिता दोनों अथवा माता या पिता में से किसी एक या अपने अभिभावक को खो दिया है। इसके साथ ही 18 से 23 वर्ष के ऐसे किशोर भी इसके पात्र हैं जिन्होंने कोविड या अन्य कारणों से अपने माता-पिता या अभिभावक को खोया है और वे कक्षा 12वीं तक की शिक्षा पूरी करने के बाद किसी महाविद्यालय, विश्वविद्यालय अथवा तकनीकी संस्थान से स्नातक डिग्री या डिप्लोमा प्राप्त करने के लिए पढ़ाई कर रहे। जिला प्रोबेशन अधिकारी ने आगे बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए इच्छुक आवेदकों को मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना सामान्य के अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन करने के लिए लाभार्थी का बैंक खाता डीबीटी और एनपीसीआई से लिंक होना बेहद आवश्यक है।

समूह गायन में ललित कला संस्थान विजयी

टीएनएफ टुडे, आगरा।

आगरा। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के दीक्षोत्सव कार्यक्रम झ2026 के अंतर्गत खंदारी परिसर स्थित स्वामी विवेकानंद सभागार (जे.पी. सभागार) में शुक्रवार को देशभक्ति समूह गायन व समूह लोक नृत्य प्रतियोगिताओं का भव्य एवं उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. आशु रानी के मार्गदर्शन में हुए कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न आवासीय संस्थानों के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग करते हुए अपनी प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

देशभक्ति समूह गायन प्रतियोगिता में ललित कला संस्थान ने उत्कृष्ट प्रस्तुति दी और प्रथम स्थान प्राप्त किया। के.एम.आई. ने द्वितीय और इंस्टीट्यूट ऑफ लाइफ साइंस के प्रतिभागियों ने तृतीय स्थान हासिल किया।

वहीं समूह लोक नृत्य प्रतियोगिता में दीनदयाल उपाध्याय संस्थान ने प्रथम स्थान प्राप्त कर सभी का मन मोह लिया। के.एम.आई. की टीम द्वितीय और इंस्टीट्यूट ऑफ लाइफ साइंस के प्रतिभागी तृतीय स्थान पर रहे। प्रतियोगिताओं का मूल्यांकन डॉ. ज्योति खंडेलवाल, गजेंद्र सिंह, राशि जौहरी एवं सुजाता अग्रवाल ने निर्णायक मंडल के रूप में किया। आयोजन समिति में कार्यक्रम समन्वयक डॉ. नीलू सिन्हा के नेतृत्व में डॉ. रमा, डॉ. तपस्या चौहान व पुरुषोत्तम मयूरा ने कार्यक्रम के सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम का प्रभावी व आकर्षक संचालन इंस्टीट्यूट ऑफ लाइफ साइंस की छात्रा कौशाम्बी ने किया।

इस अवसर पर प्रो. आर.के. अग्निहोत्री, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. भूपेंद्र स्वरूप शर्मा, जनसंपर्क अधिकारी पूजा सक्सेना, डॉ. सुरभि महाजन, डॉ. मोनिका अस्थाना, डॉ. उदिता तिवारी, डॉ. निभा जादौन, डॉ. रत्ना पाण्डेय, डॉ. नीरज कुशवाह, पं. देवाशीष गांगुली, डॉ. मोहिनी दयाल, डॉ. नंदिनी, डॉ. जागृति, डॉ. शिवानी, सहित अनेक शिक्षक एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

पिता और दो बेटों पर धोखाधड़ी का मुकदमा

सोना-चांदी के लेन-देन में लाखों की हेराफेरी का आरोप

टीएनएफ टुडे, आगरा।

किनारी बाजार क्षेत्र में सराफा कारोबार से जुड़ा लाखों रुपये की कथित धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। एक सराफा कारोबारी की शिकायत पर कोतवाली थाने में पिता और उनके दो बेटों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। दोनों पक्षों के बीच हुए लेन-देन के दस्तावेजों की पड़ताल की जा रही है।

पीड़ित कारोबारी का आरोप है कि लंबे समय से आरोपियों के साथ सोने-चांदी का व्यापारिक लेन-देन चल रहा था। कारोबार के दौरान आरोपियों पर 174.500 ग्राम सोना, 5.154 किलोग्राम चांदी और करीब 1.45 लाख रुपये बकाया हो गए। कई बार हिसाब चुकता करने के लिए कहने के बावजूद आरोपी लगातार टालमटोल करते रहे। शिकायतकर्ता के अनुसार, जब बकाया राशि और आभूषणों की मांग की गई तो आरोपियों ने परिवार के अंदरूनी विवाद का हवाला देते हुए जिम्मेदारी लेने से इनकार कर दिया। पीड़ित का आरोप है कि पिता ने अपने एक बेटे को संपत्ति से बेदखल किए जाने की बात कहकर पूरे मामले से पल्ला झाड़ने की कोशिश की।

मामले को लेकर पीड़ित कारोबारी ने पुलिस को कई अहम साक्ष्य भी उपलब्ध कराए हैं। इनमें हिसाब-किताब से जुड़े पर्चे, व्हाट्सएप चैट, वीडियो रिकॉर्डिंग और अन्य दस्तावेज शामिल हैं। पुलिस इन साक्ष्यों के आधार पर पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। कोतवाली पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। अब दोनों पक्षों से पूछताछ की जाएगी। उपलब्ध दस्तावेजों तथा लेन-देन के रिकॉर्ड की जांच के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

टीएनएफ टुडे मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए **धीरज शर्मा** द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड्डा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रैशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरू का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।
संपादक: धीरज शर्मा, फोनः 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइटः www.tnftoday.com
पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

सम्पादकीय

परमाणु संयंत्र का डाटा लीक

देश की सबसे बड़ी परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं में शामिल तमिलनाडु स्थित कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र से जुड़े हजारों गोपनीय दस्तावेज कथित रूप से सार्वजनिक होने के बाद भारत की महत्वपूर्ण अवसंरचना की साइबर सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं सामने आई हैं। हम आपको बता दें कि रैनसमवेयर गिरोह "वर्ल्ड लीक्स" ने दावा किया है कि उसने संयंत्र से संबंधित 19 हजार से अधिक संवेदनशील फाइलें डार्क वेब पर जारी कर दी हैं। इन दस्तावेजों को लगभग 8 लाख 58 हजार फाइलों के उस बड़े संग्रह का हिस्सा बताया जा रहा है, जिसे परियोजना से जुड़े ठेकेदार रिलायंस समूह के डाटा से चुराया गया है। हालांकि इन दस्तावेजों की प्रामाणिकता की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है, फिर भी विशेषज्ञ इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से अत्यंत गंभीर मामला मान रहे हैं। हम आपको बता दें कि कथित रूप से लीक हुए दस्तावेज वर्ष 2016 से लेकर वर्ष 2025 के मध्य तक के बताए जा रहे हैं। इनमें वेंटिलेशन और शीतलन प्रणालियों के इंजीनियरिंग नक्शे, साझा नियंत्रण कक्ष की रूपरेखा, उपकरणों के निरीक्षण प्रतिवेदन, आपूर्तिकताओं की सूची, विक्रेताओं के प्रस्ताव, बैठकों के अभिलेख तथा बीमा संबंधी दस्तावेज शामिल बताए गए हैं। अधिकांश दस्तावेज कुडनकुलम परियोजना की तीसरी और चौथी इकाई से संबंधित हैं, जिनका निर्माण कार्य जारी है और जिनके वर्ष 2027 तक चालू होने की संभावना है। राहत की बात यह है कि उपलब्ध जानकारी के अनुसार इनमें परमाणु रिएक्टर के मुख्य तंत्र की रूपरेखा शामिल नहीं है, क्योंकि वह रूस की सरकारी कंपनी द्वारा उपलब्ध कराई जाती है। फिर भी साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी जानकारी शत्रुतापूर्ण तत्वों के लिए अत्यंत उपयोगी साबित हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार यदि किसी हमलावर को यह जानकारी मिल जाए कि परियोजना में किन व्यक्तियों, ठेकेदारों और प्रणालियों की पहुंच कहां तक है, तो वह प्रत्यक्ष रूप से परमाणु रिएक्टर पर हमला किए बिना भी उससे जुड़ी सहायक व्यवस्थाओं, आपूर्ति श्रृंखला या तीसरे पक्ष की प्रणालियों को निशाना बना सकता है। इससे परियोजना के संचालन, रखरखाव और सुरक्षा व्यवस्था पर अप्रत्यक्ष खतरा उत्पन्न हो सकता है। इस पूरे मामले की जांच भारतीय कंप्यूटर आपात प्रतिक्रिया दल और भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम संयुक्त रूप से कर रहे हैं। अभी तक इस बात का कोई प्रमाण सामने नहीं आया है कि संयंत्र की परिचालन प्रणाली या परमाणु रिएक्टर की सुरक्षा से सीधे समझौता हुआ है। परमाणु ऊर्जा विभाग और प्रधानमंत्री कार्यालय ने इस मामले पर सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं की है। उल्लेखनीय है कि संबंधित हैकर गिरोह पहले भी कई प्रमुख औद्योगिक संस्थानों को निशाना बना चुका है। देखा जाये तो यह घटना ऐसे समय सामने आई है जब भारत की महत्वपूर्ण अवसंरचना पर साइबर हमलों का खतरा लगातार बढ़ रहा है। एक साइबर सुरक्षा कंपनी की रिपोर्ट के अनुसार पिछले वर्ष भारत में लगभग दो करोड़ नवासी लाख खाते किसी न किसी रूप में डाटा समझौते का शिकार हुए, जिससे भारत विश्व के सर्वाधिक प्रभावित देशों में शामिल रहा। वहीं हाल के एक औद्योगिक सर्वेक्षण में पाया गया कि 73 प्रतिशत भारतीय संस्थानों को यह तक जानकारी नहीं थी कि वे कभी साइबर हमले का शिकार हुए हैं या नहीं, जबकि 57 प्रतिशत संस्थानों में बुनियादी साइबर उपायों का भी अभाव है।बहरहाल, इस घटना ने यह भी स्पष्ट किया है कि केवल परमाणु संयंत्र की आंतरिक सुरक्षा पर्याप्त नहीं है, बल्कि उससे जुडे ठेकेदारों, डाटा सेंटरों, आपूर्ति श्रृंखला और तीसरे पक्ष की डिजिटल प्रणालियों की सुरक्षा भी समान रूप से आवश्यक है। भविष्य में राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाओं के लिए मजबूत साइबर सुरक्षा ढांचा, नियमित सुरक्षा परीक्षण, आपूर्ति श्रृंखला का कड़ा सत्यापन तथा संवेदनशील सूचनाओं की बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था विकसित करना अनिवार्य होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को अपनी महत्वपूर्ण अवसंरचना की साइबर सुरक्षा को राष्ट्रीय रक्षा रणनीति का अभिन्न हिस्सा बनाते हुए इस क्षेत्र में निवेश और समन्वय दोनों को और मजबूत करना होगा, ताकि ऐसी घटनाओं से सामरिक हितों और राष्ट्रीय सुरक्षा की प्रभावी रक्षा सुनिश्चित की जा सके।

जूता कंपनी में मैनेजर बनना है या अखबार में रिपोर्टर?

"हमारे मीडिया समूह की एक जूता कंपनी भी है। वहां मैनेजर पद के लिए योग्य कैंडिडेट की आवश्यकता है। चयन होने पर उसे 10 हजार रुपये वेतन के अलावा बंगला और गाड़ी भी मिलेगी। तुमने अखबार में प्रशिक्षु रिपोर्टर पद के लिए आवेदन किया है, जहां सब मिला-जुलाकर तीन हजार रुपये मिलेंगे। अब तुम खुद तय कर-के बता लो... जूता कंपनी में मैनेजर बनना है या अखबार में रिपोर्टर?"

यह सवाल 1990-91 के दौर में मुझसे एक इंटरव्यू के दौरान पूछा गया था। भोपाल में शाम के एक टैबलॉयड के लिए रिपोर्टर/उपसंपादक पद की लिखित परीक्षा पास कर चुके अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया जा रहा था। आज इतने वर्षों बाद जब पीछे मुड़कर देखता हूं, तो समझ आता है कि उस समय के वरिष्ठ संपादकों की दूरदृष्टि कितनी तीक्ष्ण थी। आज मीडिया जगत में हूबहू यही हो रहा है; आज की आम सोच यही बन चुकी है। कुछ वर्षों पहले एक बड़े अखबार के एक वरिष्ठ पत्रकार साथी ने अनौपचारिक बातचीत में यहां तक कह दिया था— "सेठ जी पैसा देते रहें, चाहे कुछ भी करवा लें। वे कहेंगे तो उनके गेट के बाहर भी खड़े हो जाएंगे।" इसी मानसिकता का एक और वाकया मुझे याद आता है, जहां एक अन्य संपादक महोदय अपने मालिक की भक्ति में इस कदर लीन थे कि हद न थी। एक बैठक के दौरान सेठ जी की नजर अपनी ही मेज पर रखे पानी के गिलास पर पड़ी। संपादक महोदय लपक कर खड़े हुए, गिलास उठाकर मालिक को दिया और तब तक मुस्तैद खड़े रहे जब तक कि खाली गिलास वापस लेकर उसे यथास्थान रख नहीं दिया। यह दृश्य सिर्फ एक गिलास उठाने का नहीं था, बल्कि रीढ़विहीन होती जा रही पत्रकारिता के समर्पण का प्रतीक था।

-अनाम

मंदिरों में भ्रष्टाचारः वहां सुशासन की नई क्रांति का सूत्रपात हो

> "आज डिजिटल भारत का युग है, फिर भी अनेक मंदिरों में दान और चढ़ावे की पारदर्शी व्यवस्था विकसित नहीं हो सकी है। प्रत्येक बड़े मंदिर में दान-पात्रों की इलेक्ट्रॉनिक निगरानी, सीसीटीवी कैमरे, बारकोड आधारित सीलिंग, नियमित स्वतंत्र ऑडिट तथा प्रत्येक माह आय-व्यय का सार्वजनिक विवरण वेबसाइट और सूचना पट्ट पर उपलब्ध कराया जाना चाहिए। श्रद्धालु को यह जानने का अधिकार है कि उसके द्वारा दिया गया धन कहां और किस उद्देश्य में उपयोग किया जा रहा है।

भारत की पहचान केवल उसकी प्राचीन सभ्यता, सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक दर्शन से नहीं है, बल्कि उन मंदिरों से भी है जो करोड़ों लोगों की आस्था, विश्वास और जीवन का आधार हैं। अयोध्या का श्रीराम मंदिर, बद्रीनाथ धाम, माता वैष्णोदेवी, तिरुपति, काशी विश्वनाथ, सोमनाथ, सालासर बालाजी, खाटू श्यामजी जैसे मंदिर केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि भारतीय आत्मा के जीवंत प्रतीक हैं। इन मंदिरों में प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु इस विश्वास के साथ पहुंचते हैं कि यहां उन्हें केवल भगवान के दर्शन ही नहीं, बल्कि आत्मिक शांति और नैतिक ऊर्जा भी प्राप्त होगी। लेकिन जब इन्हीं मंदिरों से चढ़ावे की चोरी, वित्तीय अनियमितताओं, वीआईपी संस्कृति, पुजारियों अथवा कर्मचारियों के अनुचित आचरण और श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार की खबरें सामने आती हैं, तब केवल कोई संस्था बदनाम नहीं होती, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था घायल होती है। हाल के वर्षों में श्रीराम मंदिर, बद्रीनाथ और अब माता वैष्णोदेवी मंदिर में चढ़ावे से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के मामलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि मंदिरों की व्यवस्था को केवल धार्मिक भावना के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। जिस धन को श्रद्धालु भगवान का अर्पण मानकर समर्पित करते हैं, वह किसी व्यक्ति या समूह की निजी संपत्ति नहीं है। उस धन का प्रत्येक रुपया सार्वजनिक विश्वास की धरोहर है। यदि उसी में अपारदर्शिता या चोरी का संदेह पैदा हो जाए तो यह केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि धार्मिक विश्वास के साथ विश्वासघात है।आज आवश्यकता इस बात की है कि पूरे देश में ह्यसमान मन्दिर दर्शन नीतिह्न लागू की जाए। राष्ट्रीय सुरक्षा या अत्यंत विशिष्ट संवैधानिक परिस्थितियों को छोड़कर किसी भी व्यक्ति को सामान्य श्रद्धालुओं की कतार से अलग विशेष दर्शन का अधिकार नहीं मिलना चाहिए। यदि किसी कारणवश सुरक्षा व्यवस्था आवश्यक हो, तब भी आम श्रद्धालुओं के दर्शन बाधित नहीं होने चाहिए। भगवान के दरबार में सबसे बड़ा वीआईपी केवल श्रद्धा होनी चाहिए, पद और सत्ता नहीं। इसी प्रकार मंदिरों की चढ़ावा व्यवस्था में व्यापक सुधार की आवश्यकता है। आज डिजिटल भारत का युग है, फिर भी अनेक मंदिरों में दान और चढ़ावे की पारदर्शी व्यवस्था विकसित नहीं हो सकी है। प्रत्येक बड़े मंदिर में दान-पात्रों की इलेक्ट्रॉनिक निगरानी, सीसीटीवी कैमरे, बारकोड आधारित सीलिंग, नियमित स्वतंत्र ऑडिट तथा प्रत्येक माह आय-व्यय का सार्वजनिक विवरण वेबसाइट और सूचना पट्ट पर उपलब्ध कराया जाना चाहिए। श्रद्धालु को यह जानने का अधिकार है कि उसके द्वारा दिया गया धन कहां और किस उद्देश्य में उपयोग किया जा रहा है।

इसके साथ ही मंदिर प्रशासन में केवल धार्मिक पहचान ही नहीं, बल्कि चरित्र, ईमानदारी और प्रशासनिक दक्षता को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। मंदिर प्रबंधन समितियों में ऐसे व्यक्तियों को स्थान मिले जिनकी सामाजिक प्रतिष्ठा निष्कलंक हो, जिनका सार्वजनिक जीवन पारदर्शी रहा हो और जिन पर किसी प्रकार के भ्रष्टाचार या आपराधिक आरोप न हों। समय-समय पर उनके कार्यों का स्वतंत्र मूल्यांकन भी किया जाए। मंदिर प्रबंधन किसी का विशेषाधिकार नहीं, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व है। मंदिरों में सेवा करने वाले पुजारियों, कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों के लिए भी आचार-संहिता बनाई जानी चाहिए। श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार, अभद्र भाषा, दलालों से मिलीभगत, नशाखोरी या किसी भी प्रकार का अनुशासनहीन व्यवहार पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई हो। सालासर बालाजी में बाउंसरों द्वारा श्रद्धालु की पिटाई और खाटू श्यामजी में मुख्य पुजारी से जुड़े विवाद जैसे प्रसंग यह संकेत देते हैं कि केवल धार्मिक पहचान पर्याप्त नहीं, बल्कि नैतिक अनुशासन भी उतना ही आवश्यक है।

मंदिरों में दलाल संस्कृति भी समाप्त की जानी चाहिए। दर्शन, प्रसाद, पूजा और विशेष अनुष्ठानों के नाम पर होने वाली अनधिकृत वसूली श्रद्धालुओं के विश्वास को कमजोर करती है। सभी सेवाओं की दरें सार्वजनिक हों, ऑनलाइन बुकिंग उपलब्ध हो और किसी भी अतिरिक्त वसूली पर कठोर दंड का प्रावधान हो। भारत आज विश्व का आध्यात्मिक केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। श्रीराम मंदिर के निर्माण के बाद दुनिया भर से करोड़ों लोग भारतीय मंदिरों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। धार्मिक पर्यटन भारत की अर्थव्यवस्था का भी महत्वपूर्ण आधार बन रहा है। ऐसे समय यदि मंदिरों की व्यवस्थाओं पर भ्रष्टाचार, कुप्रबंधन और अव्यवस्था के आरोप लगते हैं तो केवल मंदिर ही नहीं, बल्कि पूरे भारत की छवि प्रभावित होती है। विश्व यह संदेश ग्रहण करता है कि जिस देश ने धर्म और नैतिकता का संदेश दिया, वह अपने ही धर्मस्थलों को पारदर्शी नहीं बना पाया, वहां भी व्यापक भ्रष्टाचार पसरा है।

भारत सरकार और राज्य सरकारों को अब इस विषय पर व्यापक राष्ट्रीय नीति बनानी चाहिए। ह्यराष्ट्रीय मंदिर सुशासन आयोगह्न जैसी स्वतंत्र संस्था का गठन किया जा सकता है, जो बड़े मंदिरों की वित्तीय पारदर्शिता, प्रशासनिक जवाबदेही, दर्शन व्यवस्था और श्रद्धालुओं के अधिकारों की निगरानी करे। प्रत्येक मंदिर के लिए सेवा-मानक निर्धारित हों तथा शिकायत निवारण की समयबद्ध व्यवस्था हो। धार्मिक संगठनों और संत समाज को भी आत्ममंथन करना होगा। धर्म का अर्थ केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि सत्य, ईमानदारी, सेवा और उत्तरदायित्व है। यदि मंदिरों के भीतर ही इन मूल्यों का ह्रास होगा तो समाज को नैतिक दिशा कौन देगा? मंदिर केवल पूजा के केंद्र नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण के विद्यालय भी होने चाहिए।

आज आवश्यकता किसी छोटे-मोटे सुधार की नहीं, बल्कि मंदिर प्रशासन में एक नैतिक क्रांति की है। यह क्रांति पारदर्शिता, जवाबदेही, समानता और सेवा के चार स्तंभों पर आधारित होनी चाहिए। मंदिरों को तकनीक से जोड़ना होगा, वित्तीय व्यवस्था को पूरी तरह डिजिटल और ऑडिट-आधारित बनाना होगा, वीआईपी संस्कृति को समाप्त करना होगा तथा हर श्रद्धालु को समान सम्मान देना होगा। याद रखना होगा कि मंदिरों की सबसे बड़ी संपत्ति उनका स्वर्ण, रजत या चढ़ावा नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों का विश्वास है। यदि विश्वास टूट गया तो सबसे भव्य मंदिर भी अपनी आत्मा खो देगा। इसलिए समय की पुकार है कि मंदिरों को भ्रष्टाचार से मुक्त, दर्शन व्यवस्था को समान, प्रशासन को पारदर्शी और सेवा को मानवीय बनाया जाए। यही भगवान के प्रति सच्ची श्रद्धा होगी, यही भारतीय संस्कृति का वास्तविक सम्मान होगा और यही वह परिवर्तन होगा जो भारत को केवल आध्यात्मिक महाशक्ति ही नहीं, बल्कि नैतिक महाशक्ति के रूप में भी स्थापित करेगा।

-ललित गर्ग

बजट की हरियाली बनाम कंक्रीट के जंगल–हकीकत और जन-भागीदारी की चुनौती

आज इक्कीसवीं सदी का भारत जिस रफ्तार से विकास की नई गाथा लिख रहा है, उसकी चमक एक्सप्रेसवे की कंक्रीट, मेट्रो के पिलर्स और गगनचुंबी इमारतों में साफ दिखाई देती है। लेकिन इस चमक के पीछे एक स्याह सच भी छिपा है–हमारी हरी-भरी धरती का लगातार उजड़ना। अकेले उत्तर प्रदेश में विकास की वेदी पर हर साल लाखों पेड़ कुर्बान हो रहे हैं। वैश्विक संगठन ऋअड की नवीनतम 'ग्लोबल फॉरेस्ट रिसोर्सेज असेसमेंट 2025' रिपोर्ट भले ही यह दिलासा देती हो कि भारत वन क्षेत्र बढ़ाने में दुनिया में तीसरे स्थान पर है, लेकिन क्या यह कागजी हरियाली हमारे तेजी से बदलते पर्यावरण की कड़वी हकीकत को ढक सकती है?

?हर साल मानसून के आते ही उत्तर प्रदेश सरकार 'एक पेड़ मां के नाम' जैसे बड़े अभियानों के तहत 35 से 36 करोड़ पौधे लगाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय करती है। इसके लिए लगभग ?2,500 करोड़ से ?3,000 करोड़ का भारी-भरकम बजट भी आवंटित होता है। जब किसी हाईवे या इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट के लिए कानूनी रूप से पेड़ काटे जाते हैं, तो नियमों के मुताबिक प्रति पेड़ 10 नए पौधे लगाने और अगले 5 से 7 वर्षों तक उनकी देखरेख के लिए 'कैम्पा' (उअटढअ) फंड के तहत मोटी रकम वसूली जाती है। प्रशासनिक फाइलों और बजट के आंकड़ों को देखें तो लगता है कि प्रकृति के नुकसान की पूरी भरपाई की जा रही है।

?लेकिन, सिक्के का दूसरा पहलू बेहद चिंताजनक है। आम जनता के जेहन में अक्सर यह सवाल उठता है कि यदि हर साल करोड़ों पौधे लग रहे हैं और अरबों रुपये पानी की तरह बहाए जा रहे हैं, तो वे पौधे पेड़ क्यों नहीं बन पा रहे? कड़वी जमीनी हकीकत यह है कि इन अभियानों का एक बड़ा हिस्सा आज भी प्रशासनिक लापरवाही और 'कागजी वृक्षारोपण' के जरिए भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता है। मानसून में फोटो खिंचाने और सुर्खियां बटोरने के बाद, उन नन्हे पौधों को पानी, ट्री-गार्ड और सुरक्षा के अभाव में मरने के लिए छोड़ दिया जाता है। अगले साल उसी सूखी जमीन पर फिर नया बजट पास होता है और नया पौधा गाड़ दिया जाता है। हालांकि, हाल के वर्षों में 'जियो-टैगिंग', ड्रोन और सैटेलाइट मॉनिटरिंग जैसी तकनीकों ने इस 'लीकेज' पर कुछ हद तक लगाम जरूर लगाई है, लेकिन एक सौ साल पुराने घने पेड़ की जगह पर रोपे गए दस छोटे पौधे तुरंत पर्यावरण का संतुलन नहीं सुधार सकते।

इसी का नतीजा है कि आज हमारी ऋतुएं अपना आपा खो चुकी हैं। मार्च आते ही झुलसा देने वाली गर्मी और 48 से 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने वाला पारा अब अपवाद नहीं, बल्कि नया सामान्य (ठी६ ठङ्१ʼ) बन चुका है। वसंत ऋतु हमारे कैलेंडर से गायब हो चुकी है, सर्दियों का दायरा सिमट गया है और मानसून का मिजाज ऐसा बदला है कि कहीं महीनों सूखा रहता है तो कहीं कुछ ही घंटों में बादल फटने जैसी बारिश तबाही मचा देती है। पेड़ सिर्फ लकड़ी का ढांचा नहीं हैं; वे इस धरती के प्राकृतिक 'एयर कंडीशनर' और 'वॉटर प्यूरीफायर' हैं। उनके कटने से शहरों में 'अर्बन हीट आइलैंड्स' बन रहे हैं और भूजल स्तर पाताल में जा रहा है।

?इस गहराते संकट का समाधान केवल सरकार के बजट या वन विभाग के कर्मचारियों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। अब समय आ गया है कि पर्यावरण संरक्षण को एक सरकारी "टारगेट" के बजाय एक अनिवार्य "सामाजिक उत्सव और नागरिक कर्तव्य" बनाया जाए। जब तक देश के 140 करोड़ और उत्तर प्रदेश के 25 करोड़ नागरिक इस मुहिम का हिस्सा नहीं बनेंगे, तब तक पर्यावरण नीति अधूरी रहेगी।

इसके लिए सरकार को दंडात्मक कानूनों के बजाय "प्रोत्साहन और अनिवार्यता" का एक व्यावहारिक मॉडल पेश करना होगा। उदाहरण के लिए, जो नागरिक अपने घरों के बाहर पेड़ लगाकर उन्हें जीवित रखेंगे, उन्हें 'हाउस टैक्स' में 5% की रियायत दी जानी चाहिए। शहरों में नए मकानों के नक्शे तब तक पास न हों, जब तक कि वृक्षारोपण के लिए जगह सुनिश्चित न हो। स्कूलों और कॉलेजों में छात्रों के लिए 'ग्रीन क्रेडिट' या अतिरिक्त अंक की व्यवस्था हो, जो उनके द्वारा लगाए गए पौधे के जीवित रहने की रिपोर्ट पर आधारित हो। हमें 'स्मृति वनों' की स्थापना करनी होगी, जहाँ लोग अपने बच्चों के जन्मदिन, विवाह या पूर्वजों की याद में पेड़ लगाएं, ताकि उनका उस पौधे से एक भावनात्मक जुड़ाव हो।

?पेड़ काटना अगर मजबूरी है, तो पेड़ बचाना और नया पेड़ उगाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। सरकार नीति बनाए, तकनीक से पारदर्शिता लाए, लेकिन पानी और सुरक्षा देने की जिम्मेदारी समाज को उठानी होगी। यदि हम आज भी नहीं संभले, तो कंक्रीट के इन शानदार जंगलों में सांस लेने के लिए शुद्ध हवा ढूंढना आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे बड़ी चुनौती होगी।

-मोहित चौहान
(लेखक सामाजिक कार्यकर्ता हैं।)

सितारों की चालः आपका भविष्यफल

कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें!

दिनांक 19 जुलाई 2026 रविवार आषाढ़ शुक्ल पंचमी

प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी उद्देश्य से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance) राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल जानकर संभावित चुनौतियों के प्रति पहले से सजग रहना ही सफलता की पहली सीढ़ी है।

मार्गदर्शनः आचार्य दीदी
डॉ. सरस्वती देवकृष्ण गौड़
(एस्ट्रो वास्तु शोधनम)
मो. 9119336673

शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल

आज वृषभ कर्क कन्या वृश्चिक मकर और मीन राशि के जातकों का आत्मबल मानसिक उत्साह और भाग्य का सहयोग बहुत उत्तम रहेगा। रविवार का दिन साक्षात प्रत्यक्ष देवता भगवान सूर्य नारायण की साधना के लिए विशेष रूप से फलदायी माना जाता है। आज के दिन सूर्य देव को तांबे के पात्र से जल में लाल चंदन और लाल पुष्प मिलाकर अर्घ्य देना तथा आदित्य हृदय स्तोत्र का वाचन करना जीवन में असीम तेज आरोग्यता पारिवारिक सुख और उच्च प्रशासनिक सफलता लेकर आता है।

मेष

आज आपकी सामाजिक साख और व्यावसायिक सम्मान में भारी वृद्धि होगी जिससे कार्यक्षेत्र में आपका प्रभाव अत्यधिक होगा और सोचे हुए सभी रुके हुए काम गति पाएंगे। व्यापारिक क्षेत्र में चल रही पुरानी सुस्ती आज पूरी तरह समाप्त होगी और अचानक नए माध्यमों से प्रचुर धन लाभ होने के सुंदर योग बन रहे हैं। सूर्य देव को जल अर्पित करें जिससे आपके मार्ग की सभी बाधाएं हमेशा के लिए दूर होंगी।

वृष

आज का दिन आपके लिए आर्थिक और पारिवारिक दृष्टिकोण से अत्यंत भाग्यशाली सिद्ध होगा और भूमि भवन से जुड़े पुराने विवाद हल होंगे। कार्यक्षेत्र में उच्च अधिकारियों के सहयोग से आपको किसी मुख्य और सम्मानित कार्य की जिम्मेदारी मिल सकती है जिससे मस्तक ऊंचा होगा और मन अत्यंत प्रसन्न रहेगा। आदित्य हृदय स्तोत्र का वाचन करें जिससे आपके घर में स्थाई सुख और ऐश्वर्य का वास होगा।

मिथुन

आज आप अपनी तीव्र बुद्धिमत्ता और प्रखर वाणी के बल पर जटिल से जटिल व्यावसायिक और व्यापारिक समस्याओं को बेहद आसानी से हल कर लेंगे। स्वास्थ्य के प्रति बिल्कुल भी लापरवाही न बरतें और विशेष रूप से अत्यधिक काम के बोझ के कारण होने वाली शारीरिक थकावट से खुद को बचाएं। सूर्य नारायण जी के सम्मुख दीप प्रज्वलित करें जिससे आपके भाग्य के बंद द्वार शीघ्र खुलेंगे।

कर्क

मानसिक रूप से आज आप खुद को अत्यधिक ऊजार्वान और शांत महसूस करेंगे जिससे किसी महत्वपूर्ण व्यावसायिक निवेश का निर्णय लेने में आपको सफलता मिलेगी। परिवार की ओर से कोई अत्यंत सुखद और गौरवमयी समाचार प्राप्त हो सकता है जिससे पूरे परिवार में उल्लास का माहौल बना रहेगा। सूर्य देव को अर्घ्य समर्पित करें जिससे आपकी आर्थिक चिंताएं समाप्त होंगी।

सिंह

आज कार्यस्थल पर सहकर्मियों या व्यावसायिक साझेदारों के साथ किसी भी प्रकार के व्यर्थ के अहंकार के टकराव से आपको पूरी तरह बचना होगा। वाहन या किसी भी प्रकार की मूल्यवान वस्तु खरीदते समय अपने बजट का विशेष ध्यान रखें और अत्यधिक फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। मस्तक पर लाल चंदन का तिलक लगाएं जिससे राजनीति के क्षेत्र में आपकी ऐतिहासिक विजय होगी।

कन्या

आज आपको मित्रों और उच्च सहयोगियों की मदद से किसी महत्वपूर्ण नए व्यावसायिक अनुबंध की प्राप्ति होगी जिससे आपकी संचित पूंजी में वृद्धि होगी। विद्यार्थियों को परीक्षा में अपनी सच्ची मेहनत का बेहद सकारात्मक और मनोनुकूल परिणाम प्राप्त होने के सुंदर योग बन रहे हैं। असहाय लोगों के लिए अन्न की व्यवस्था करें जिससे आपके यश में निरंतर वृद्धि होगी।

तुला

आज सामाजिक और राजनैतिक क्षेत्र से जुड़े जातकों का प्रभाव क्षेत्र विस्तृत होगा और समाज में उनके द्वारा किए गए कार्यों की हर स्तर पर सराहना होगी। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी और जीवनसाथी के सहयोग से कोई महत्वपूर्ण रुका हुआ पारिवारिक काम आज आसानी से पूरा हो जाएगा। किसी मंदिर में लाल वस्त्र का दान करें जिससे आपके जीवन के सभी भ्रम दूर होंगे।

वृश्चिक

धार्मिक यात्राओं और देव दर्शन के सुंदर योग बन रहे हैं जिससे आपकी आंतरिक व्याकुलता पूरी तरह शांत होगी और मन को असीम संबल मिलेगा। व्यावसायिक क्षेत्र में किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर जरूरत से ज्यादा भरोसा न करें अन्यथा आपको भारी आर्थिक नुकसान हो सकता है। सूर्य कवच का वाचन करें जिससे आपके मार्ग की सभी गुप्त राजनैतिक बाधाएं दूर होंगी।

धनु

आज सेहत को लेकर विशेष रूप से सावधान रहने की आवश्यकता है क्योंकि अत्यधिक कार्यभार के कारण शारीरिक कमजोरी महसूस हो सकती है। सगे संबंधियों के साथ धन का अधिक लेन देन करते समय पूरी सावधानी बरतें और बिना लिखित प्रमाण के कोई महत्वपूर्ण आर्थिक व्यवहार न करें। सूर्य गायत्री मंत्र का मानसिक जाप करें जिससे आपके भीतर एक अद्भुत और नई सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा।

मकर

साझेदारी में चल रहे व्यापार में आज मनोनुकूल प्रगति होगी और नए मुख्य व्यावसायिक सहयोगी सम्मिलित होने से आपके काम को बाजार में एक नई गति प्राप्त होगी। प्रेम संबंधों और पारिवारिक रिश्तों में आपसी तालमेल बहुत मधुर रहेगा तथा सभी सदस्य एक दूसरे की भावनाओं का पूरा सम्मान करेंगे। सूर्य नारायण जी को याद करें जिससे आपके पारिवारिक जीवन के सभी कष्ट हमेशा के लिए दूर होंगे।

कुंभ

आज आप अपने पराक्रम और कुशल कूटनीति के बल पर विरोधियों और शत्रुओं के हर षड्यंत्र को पूरी तरह से ध्वस्त करने में सफल रहेंगे। पुराने कानूनी मामलों में आज आपके पक्ष में कोई बहुत महत्वपूर्ण और सुखद खबर सुनने को मिल सकती है। पक्षियों को अन्न खिलाएं जिससे आपके मन का अज्ञात भय पूरी तरह समाप्त हो जाएगा।

मीन

कला साहित्य लेखन और रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़ी प्रतिभाओं को आज कोई महत्वपूर्ण राष्ट्रीय सम्मान या विशिष्ट पहचान मिलने के सुंदर योग बन रहे हैं। संतान पक्ष की शिक्षा या करियर को लेकर चल रही पुरानी चिंताएं आज पूरी तरह समाप्त होंगी जिससे मन को असीम राहत मिलेगी। किसी सूर्य मंदिर में धार्मिक पुस्तक दान करें जिससे आपके सुख और भौतिक साधनों में निरंतर वृद्धि होगी।

आज का वास्तु शोधनम सूत्र

रविवार के दिन घर के मुख्य हॉल में पूर्व की दिशा में तांबे के कलश में स्वच्छ जल भरकर स्थापित करने से घर की नकारात्मक ऊर्जा और भयंकर वास्तु दोष पूरी तरह शांत होता है तथा साक्षात सूर्य देव की असीम कृपा से परिवार के सदस्यों का आर्थिक संकट दूर होता है और सुख समृद्धि हमेशा संवर्धित होती रहती है।

ब्रज के 57 गांवों में विशेष स्वच्छता अभियान, नोडल अधिकारी कर रहे निगरानी

तीर्थ, पर्यटन स्थलों और प्रमुख मार्गों से जुड़ी ग्राम पंचायतों में श्रमदान, प्लास्टिक पृथक्करण और जनजागरूकता पर विशेष जोर

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

ब्रज को स्वच्छ एवं प्लास्टिक मुक्त बनाने के उद्देश्य से संचालित श्रम सबने यह ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना हैश महाअभियान को अब ग्रामीण क्षेत्रों में और अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है। इसके लिए जिलाधिकारी सीपी सिंह ने जनपद में ग्रामीण क्षेत्र के 10 प्रमुख तीर्थ, पर्यटक स्थलों तथा 47 अन्य पर्यटन मार्गों से जुड़ी ग्राम पंचायतों में नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। इन सभी ग्राम पंचायतों में प्रत्येक शनिवार विशेष स्वच्छता अभियान एवं श्रमदान कार्यक्रम जनभागीदारी के माध्यम से आयोजित किया जा रहा है। इसकी जानकारी देते हुए मुख्य विकास अधिकारी डा पूजा गुप्ता ने बताया कि जिलाधिकारी के आदेश के अनुसार तीर्थ, पर्यटन स्थलों तथा उनसे जुड़े प्रमुख मार्गों की ग्राम पंचायतों में कॉलेज के विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों की सक्रिय सहभागिता से डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण, प्लास्टिक कचरे का पृथक्करण तथा व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया

गांवों में विशेष स्वच्छता अभियान के तहत सफाई करते लोग।

जा रहा है। अभियान के प्रभावी संचालन के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में संबंधित विभाग के 57 अधिकारियों को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। इसके तहत 22 जून से अभियान के तहत प्रत्येक सप्ताह शनिवार को चार सप्ताह तक श्रमदान कराया जा रहा है। इस दौरान एकत्रित जैविक कचरे का कम्पोस्ट तैयार किया जाएगा, जबकि प्लास्टिक अपशिष्ट को पुनर्चक्रण (रिसाइक्लिंग) के लिए भेजा जाएगा। साथ ही घरों एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर ही प्लास्टिक कचरे का पृथक्करण सुनिश्चित कराने के लिए सहमति पत्र भी भरवाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायतों में डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जाएगा। कूड़ेदानों की नियमित सफाई एवं समय पर खाली कराने की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। सफाई की यह व्यवस्था नियमित प्रक्रिया ने भी जारी है। उन्होंने बताया कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को प्रभावी बनाने के लिए स्वच्छता शुल्क के निर्धारण एवं वसूली के साथ सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा फैलाने वालों पर आर्थिक दंड लगाने की व्यवस्था भी लागू की जाएगी। जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से ग्राम पंचायतों में श्प्लास्टिक मुक्त ब्रजश एवं श्मेरी प्लास्टिक-मेरी जिम्मेदारीश विषयक संदेश प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शित किए जा रहे हैं। इसके साथ ही प्लास्टिक बैंक स्थापित किए जाएंगे, ताकि प्लास्टिक कचरे का वैज्ञानिक ढंग से संग्रहण एवं निस्तारण सुनिश्चित किया जा सके। जिलाधिकारी ने सभी नामित नोडल अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे स्टेक होल्डर्स, जिला विद्यालय निरीक्षक एवं खंड शिक्षा अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर अभियान का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन करें। साथ ही प्रत्येक सप्ताह की प्रगति रिपोर्ट गूगल फॉर्म के माध्यम से मुख्य विकास अधिकारी को उपलब्ध कराई जाए।

जिला क्षय रोग केंद्र में हुई एचआईवी-टीबी समन्वय बैठक

मथुरा में एचआईवी-टीबी समन्वय बैठक आयोजित हुई।

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों की समय पर पहचान, उपचार एवं देखभाल सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला क्षय रोग केंद्र, मथुरा में एचआईवी-टीबी समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में 95-95-99 प्रतिशत लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए जिले की प्रगति की समीक्षा करते हुए विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय एवं कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. संजीव यादव ने की। उन्होंने कहा कि एचआईवी एवं क्षय रोग कार्यक्रमों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर ही निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उपचार से छूटे मरीजों की पुनः खोज, समय पर एआरटी केंद्र से जोड़ने, प्रभावी परामर्श, एसओसीएच पोर्टल पर शत-प्रतिशत डेटा अद्यतन करने तथा नियमित अनुवर्ती कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। एआरटी केंद्र के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डा. सिद्धार्थ धनगर ने कहा कि सभी विभागों के संयुक्त प्रयास और बेहतर समन्वय से जनपद शीघ्र ही 95-95-99 लक्ष्यों को प्राप्त कर राष्ट्रीय एचआईवी, एड्स नियंत्रण अभियान में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

दिशा संस्था से शाइस्ता बदर, रिजवाना एवं ललित, एआरटी केंद्र से विवेक अग्रवाल, गजेंद्र ओझा, प्रकाश एवं वीरेंद्र सिंह राणा,पीपीएम कोर्डिनेटर आलोक तिवारी,नवल सहित जिला क्षय रोग केंद्र एवं राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम से जुड़े अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

डीएलएड छात्र को 60 किमी दूर मिली इंटर्नशिप

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

स्टूडेंट्स की चॉइस को हटाकर डाइट ने अपनी चॉइस थोपी

डीएलएड प्रशिक्षुओं को इस बार 60 किमी दूर तक इंटर्नशिप करने जाना होगा। जी हा , ऐसा ही कुछ डेटा कह रहा है डाइट का। मथुरा में डीएलएड प्रशिक्षुओं के इंटर्नशिप की स्थिति बेहद क्लिष्ट बनी हुई है। इंटर्नशिप के लिए छात्रों से हर बार जनपद के दस प्राइमरी स्कूलों के ऑनलाइन विकल्प भरवाए जाते हैं। इस बार छात्र छात्राओं ने अपनी सुविधानुसार विकल्प भरे थे। फराह के कई डीएलएड कॉलेजों के छात्रों के इंटर्नशिप स्कूल मांट ब्लॉक के दूरदराज जगहों के स्कूलों में डाल दी। एक कॉलेज संचालक इस संदर्भ में डाइट प्राचार्य से मिले भी ,लेकिन समस्या का कोई समाधान नहीं हो सका। अब कॉलेज संचालकों का कहना है कि डाइट को अपने विकल्प ही थोपने है तो छात्रों से विकल्प क्यों भरवाए जाते हैं। फिर क्या मतलब रह जाता है। 2024 में इंटर्नशिप न होने से 1300 छात्र परीक्षा से वंचित हुए थे। मथुरा के इंटर्नशिप का मामला छात्रों और कालेज संचालकों के लिए बड़ा सिरदर्द बनता जा रहा है। अन्य जनपदों में इंटर्नशिप सहज तरीके से हो जाने से छात्र यहां से अन्य जनपदों के लिए पलायन कर रहे हैं। यही वजह है कि यहां हर साल हजारों सीट खाली रह जाती हैं।

कैलाश नगर में जलभराव से जनजीवन अस्त-व्यस्त

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

नगर पंचायत फरह के कैलाश नगर कॉलोनी में जलभराव और गंदगी की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। बारिश के बाद कॉलोनी की कई गलियां पानी से भर जाती हैं, जिससे लोगों का दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है। घरों के बाहर जमा पानी के कारण आवागमन में परेशानी के साथ-साथ स्वच्छता संबंधी चिंताएं भी बढ़ गई हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि जल निकासी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने के कारण हर वर्ष बरसात के दौरान यही स्थिति बन जाती है। कई स्थानों पर लंबे समय तक पानी भरा रहने से सड़कों की हालत भी खराब हो गई है। लोगों को पैदल निकलने में कठिनाई होती है और दोपहिया वाहन चालकों को भी

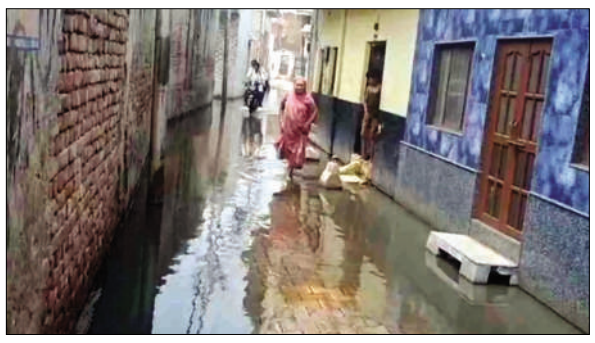

कैलाश नगर में जलभराव से निकलते लोग।

परेशानी का सामना करना पड़ता है। निवासियों के अनुसार, इस समस्या को लेकर वे कई बार नगर पंचायत के जनप्रतिनिधियों और संबंधित अधिकारियों से शिकायत कर चुके हैं। उनका कहना है कि समय-समय पर आश्वासन तो मिला, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं हो सका। स्थानीय लोगों की मांग है कि जल निकासी के लिए प्रभावी व्यवस्था विकसित की जाए ताकि हर वर्ष बरसात में उन्हें इसी समस्या से न जूझना पड़े। कॉलोनीवासियों का कहना है कि जलभराव के कारण गंदगी और मच्छरों का प्रकोप बढ़ने की आशंका बनी रहती है। इससे बच्चों, बुजुर्गों और अन्य लोगों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। उनका कहना है कि छोटे बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है, क्योंकि कई बार स्कूल आने-जाने में कठिनाई होती है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से जल्द सर्वे कराकर नालियों की सफाई, जल निकासी की स्थायी व्यवस्था और क्षतिग्रस्त सड़कों के सुधार की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते आवश्यक कदम नहीं उठाए गए तो बरसात के मौसम में समस्या और गंभीर हो सकती है। अब क्षेत्र के लोगों की निगाहें नगर पंचायत और प्रशासन की ओर हैं। नागरिकों को उम्मीद है कि संबंधित विभाग इस समस्या को प्राथमिकता देते हुए शीघ्र ठोस कदम उठाएंगे, ताकि कैलाश नगर के लोगों को हर वर्ष जलभराव और गंदगी की परेशानी से राहत मिल सके।

मण्डलायुक्त ने किया निमार्णाधीन गोकुल पर्यटक सुविधा केंद्र का निरीक्षण

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

मण्डलायुक्त नगेन्द्र प्रताप द्वारा मथुरा वृंदावन विकास प्राधिकरण के अधिकारियों संग गोकुल नगर पंचायत में निमार्णाधीन गोकुल पर्यटक सुविधा केंद्र का स्थलीय निरीक्षण किया गया। आयुक्त महोदय ने स्थल पर चल रहे निर्माण कार्यों का जायजा लिया। निर्माण कार्य में तेजी लाने एवं गुणवत्ता मानकों का पालन करने के निर्देश दिए। परिसर में बनी पुरानी बिल्डिंग को हटाए जाने के निर्देश दिए। मौके पर मौजूद नगर पंचायत अध्यक्ष महोदय को पर्यटक सुविधा केंद्र में विशेष त्यौहार और सामान्य दिनों में आने वाली बसों का सर्वे करने और उसी के अनुसार पार्किंग की क्षमता बढ़ाए जाने के निर्देश दिए। तत्पश्चात मण्डल आयुक्त ने गोकुल वासुदेव वाटिका का स्थलीय निरीक्षण किया। वाटिका में प्रगतिमान कार्यों में तेजी लाने एवं वाटिका को सुविकसित किए जाने के लिए होने वाले आवश्यक बदलाव हेतु एमवीडीए उपाध्यक्ष महोदया को संबंधित विभागों के साथ बैठक करने के निर्देश दिए।

651 ग्राम गांजे के साथ एक व्यक्ति पकड़ा

चौमुहां। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपराधियों और नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जैंत थाना पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने मघेरा चौराहे के पास से एक युवक को अवैध गांजे के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।थाना जैंत प्रभारी ने बताया कि गुरुवार (16 जुलाई 2026) की रात करीब 9रू25 बजे पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त पर थी। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने मघेरा चौराहे से बाटी मार्ग पर करीब 100 मीटर अंदर घेराबंदी कर एक संदिग्ध युवक को दबोच लिया। जामा तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से 651 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ।पकड़े गए अभियुक्त की पहचान आकाश (30 वर्ष) पुत्र अशोक, निवासी राजीव गांधी नगर, मंडी गेट के सामने, थाना कोतवाली मथुरा के रूप में हुई है। पुलिस ने बरामद गांजे को जब्त कर आरोपी के खिलाफ थाना जैंत में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8, 20 के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस आरोपी को कोर्ट में पेश करने के साथ ही यह पता लगाने में जुटी है कि वह यह गांजा कहां से लाया था और किसे बेचने जा रहा था।

दिल्ली के जंतर मंतर पर चल रहे आंदोलन में मथुरा से पहुंचे लोग

आम आदमी पार्टी के कई कार्यकर्ताओं ने की सहभागिता

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

आम आदमी पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष रवि प्रकाश भारद्वाज ने जंतर मंतर पहुंच कर सोनम वांगचुक द्वारा किए जा रहे 19 वे दिन के आमरण अनशन को स्वतंत्र भारत का नौजवानों के पक्ष में ऐतिहासिक आंदोलन बताते हुए सोनम वांगचुक के जज्बे को सलाम किया। इस अवसर तिरंगा शाखा के जिला प्रमुख सुरेश कुमार सैनी के अलावा आम आदमी पार्टी किसान प्रकोष्ठ के प्रांतीय नेता चेतन कृष्णा एवं छाता विधानसभा अध्यक्ष राजेंद्र चौधरी भी मथुरा से साथ में थे। जंतर मंतर पर उमड़ता हुआ जन सैलाब आंदोलन की प्रासंगिकता को दर्शा रहा है।

देश के कोने-कोने से युवा आंदोलन के समर्थन करने के लिए आ रहे हैं। धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा और एन टी ए की समाप्ति की मांग को लेकर जारी इस आंदोलन को भावनात्मक रूप से देश भर से समर्थन प्राप्त है। धीरे-धीरे ही सही, सत्ता विरोधी लगभग सभी पार्टियों के प्रतिनिधि आंदोलन को समर्थन कर चुके हैं। ऐसी स्थिति में भाजपा की सत्ता को चाहिए इस गंभीर सवाल के महत्व को समझते हुए आंदोलनकारियों की मांग को अविलंब पूरा करे तथा लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करे।

20 जुलाई को जंतर मंतर से संसद की ओर विशाल मार्च होगा जिसमें बड़ी संख्या मेंआंदोलनकारियों के समर्थन में विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के नेताओं के अलावा बहुत से युवा देश भर से शामिल होंगे। 20 जुलाई को यह आंदोलन सड़क से शुरू होकर संसद के अंदर विपक्षी पार्टियों की ओर से नौजवानों की आवाज की गूंज बनेगा,जिसका कोई तार्किक जवाब भारतीय जनता पार्टी की केंद्रीय सत्ता के पास नहीं होगा।

फूड सेफ्टी ऑन व्हील से लोगों ने परखी खाद्य पदार्थों की शुद्धता

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

आगामी मुड़िया पूर्णिमा मेला 2026 के दृष्टिगत आम-जनमानस एवं आने वाले श्रद्धालुओं को स्वच्छ व गुणवत्तायुक्त खाद्य व पेय पदार्थ उपलब्ध कराने हेतु मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी केके त्रिपाठी के निर्देशन में गोवर्धन तहसील के खाद्य सुरक्षा अधिकारी जितेंद्र सिंह द्वारा फूड सेफ्टी ऑन व्हील के द्वारा आम जनमानस को घरेलू स्तर पर खाद्य पदार्थों में मिलावट की जांच करने के तरीकों के बारे में जानकारी दी गई।

उन्होंने सौंख अड्डा गोवर्धन से लेकर दानघाटी मंदिर के आगे छोटी परिक्रमा मार्ग तक अवस्थित मिठाई, ढाबों, रेस्टोरेंट, दुकानों के कुल 35 खाद्य प्रतिष्ठानों से संग्रहित किये गये खाद्य पदार्थों के नमूनों जैसे पेड़ा, बर्फी, पेठा, हल्दी, मिर्च, धनिया पाउडर, सरसों का तेल एवं अन्य खाद्य पदार्थों की मौके

गोवर्धन में फूड सेफ्टी ऑन व्हील से लोगों ने परखी खाद्य पदार्थों की शुद्धता।

पर ही जांच की। इसके अतिरिक्त अस्वास्थ्यकर दशाओं में भंडारित लगभग 30 किलोग्राम दूषित पेड़ा को भी नष्ट कराया गया और सभी पेड़ा दुकानदारों को अपने खाद्य पदार्थों को ढक कर रखने, रेट लिस्ट लगाने, खाद्य लाइसेंस को चस्पा करने और पेड़ा के अवयवों की जानकारी का बोर्ड लगाने के लिए निर्देश भी दिये गए हैं। सहायक आयुक्त खाद्य श्री जतिन कुमार सिंह के अनुसार यदि मुड़िया पूर्णिमा मेला के दौरान खाद्य प्रतिष्ठानों पर निदेशों की अवहेलना होती हुई पायी जाएगी तो उन पर नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

विद्युत पोल टूटने से राया टाउन की सप्लाई बाधित

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, राया।

रात्रि गोंगा मार्ग पोखर के समीप अचानक दो विद्युत पोल टूटने से राया टाउन की बिजली व्यवस्था चरमरा गयी। इस दौरान भीषण गर्मी में लोगो को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। गुरुवार की रात्रि विधुत लाइन में फाल्ट होने से विधुत व्यबस्था ठप्प हो गयी। रात्रि के दौरान विधुत कर्मचारियों ने फाल्ट ठीक कर करीब तीन बजे कस्वे की विधुत सुचारू की। फाल्ट ठीक करने के बाद एक घण्टे बाद अचानक गोंगा मार्ग पोखर के समीप दो विधुत पोल टूटकर पानी मे गिर पड़े। जिसके चलते रेलवे रोड कटरा बाजार रेतिया बाजार मांट रोड रामलीला मैदान दयानंद कालोनी भोलेश्वर कालोनी आदि क्षेत्रों की सप्लाई बंद हो गयीं। इस दौरान लोगो के सामने पानी की समस्या उत्पन्न हो गयी। पानी की टकिया खाली होने के बाद पानी भरने के लिये हैंडपम्पों पर लोगो की भीड़ लग गयी। प्रातः विधुत अधिकारियों व कर्मचारियों ने समस्या को देखते हुए बैकल्पिक व्यबस्था कर नीमगांव फीडर से लाइन जोड़कर एक एक घण्टे के लिये क्षेत्रो की विधुत सप्लाई सुचारू की। उपखण्ड अधिकारी देवेंद्र तिवारी ने बताया विधुत पोल टूटने के कारण देर सायं तक कर्मचारियों द्वारा लाइन दुरुस्त कर सप्लाई सुचारू हो जाएगी।

हाईस्कूल इंटरमीडिएट की इम्प्रूवमेन्ट, कम्पार्टमेन्ट में देंगे 758 परीक्षार्थी

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश प्रयागराज के सचिव के निर्देश पर वर्ष 2026 की हाईस्कूल तथा इंटरमीडिएट इम्प्रूवमेंट कम्पार्टमेंट परीक्षा 28 जुलाई को जिला मुख्यालय स्थित वीडीपी राजकीय इंटर कॉलेज मथुरा में आयोजित होगी। इस परीक्षा में जनपद से हाईस्कूल व इंटरमीडिएट के 758 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। उन्होंने परीक्षा केन्द्र के प्रधानाचार्य को परीक्षा की सभी व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए हैं। ताकि परीक्षा नकल विहीन सम्पन्न हो सके। जिला विद्यालय निरीक्षक राघवेन्द्र सिंह ने बताया कि हाईस्कूल इम्प्रूवमेंट, कम्पार्टमेंट परीक्षा 28 जुलाई को प्रथम पाली में प्रातः 8.30 बजे से पूर्वाह्न 11. 45 बजे तक, इंटरमीडिएट कम्पार्टमेंट परीक्षा द्वितीय पाली में सायं 2 बजे से 5.15 बजे तक तक वीडीपी राजकीय इंटर कॉलेज मथुरा में आयोजित होगी।

हाईस्कूल इम्प्रूवमेंट, कम्पार्टमेंट के 455 अभ्यर्थी एवं इंटरमीडिएट कम्पार्टमेंट के 303 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। उन्होंने संबंधित विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को माध्यमिक शिक्षा परिषद की वेबसाइट से पंजीकृत परीक्षार्थियों के प्रवेश पत्र डाउनलोड कर प्रतिहस्ताक्षरित करते हुए सम्बन्धित परीक्षार्थियों को उपलब्ध करायेंगे। परीक्षार्थी निर्धारित तिथि को परीक्षा प्रारम्भ होने के 45 मिनट पूर्व परीक्षा केन्द्र पर अवश्य पहुंच जायं। जिससे परीक्षार्थियों को सुनियोजित एवं नियंत्रित ढंग से परीक्षा कक्षों में बैठाये जाने की व्यवस्था सुनिश्चित करायी जा सके।

वृंदावन चंद्रोदय मंदिर में भगवान श्री जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा में उमड़े श्रद्धालु

हजारों श्रद्धालुओं ने खींचा भगवान का रथ, हरिनाम संकीर्तन से गुंजायमान हुआ मंदिर परिसर

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, वृंदावन।

भगवान श्री जगन्नाथ की विश्वविख्यात रथयात्रा महोत्सव के उपलक्ष्य में गुरुवार, 16 जुलाई को वृंदावन चंद्रोदय मंदिर में भगवान श्री जगन्नाथ, बलदेव एवं सुभद्रा महारानी की दिव्य एवं भव्य रथयात्रा का आयोजन श्रद्धा एवं उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। रथयात्रा में हजारों श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए भगवान के रथ को खींचने का सौभाग्य प्राप्त किया। संपूर्ण मंदिर परिसर हरिनाम संकीर्तन, मृदंग एवं करताल की मधुर ध्वनि तथा ष्जय जगन्नाथष् के उद्घोष से भक्तिमय हो उठा। यह आयोजन विशेष रूप से संस्था में कार्यरत संतों, भक्तों एवं साधुओं के परिवारों के बच्चों को भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति, वैदिक संस्कृति एवं आध्यात्मिक संस्कारों से जोड़ने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। बच्चों ने अत्यंत उत्साह एवं श्रद्धा के साथ रथयात्रा में सहभागिता कर भगवान की सेवा का दुर्लभ अवसर प्राप्त किया। रथयात्रा से पूर्व भगवान श्री जगन्नाथ का विशेष श्रृंगार किया गया तथा विविध प्रकार के राजभोग अर्पित किए गए। संपूर्ण मंदिर परिसर को रंग-बिरंगे पुष्पों एवं मनमोहक सजावट से अलंकृत

किया गया। विशेष फूल बंगला सेवा श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रही। वैदिक मंत्रोच्चार एवं मंगल आरती के मध्य भगवान श्री जगन्नाथ अपने दिव्य रथ पर विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देने निकले। श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए नृत्य करते रहे और भगवान के जयघोष से पूरा वातावरण आध्यात्मिक आनंद में सराबोर हो गया। मंदिर के संतों ने अपने संदेश में कहा कि भगवान श्री जगन्नाथ की रथयात्रा समस्त मानव समाज के लिए प्रेम, करुणा, समानता और ईश्वर की शरणागति का संदेश देती है। भगवान स्वयं अपने भक्तों के बीच आकर यह प्रेरणा देते हैं कि प्रत्येक व्यक्ति बिना किसी भेदभाव के उनकी कृपा का अधिकारी है। ऐसे आध्यात्मिक आयोजन समाज में भक्ति, संस्कार एवं सांस्कृतिक चेतना को सुदृढ़ करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। रथयात्रा के उपरांत भगवान की भव्य आरती संपन्न हुई तथा उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को महाप्रसाद वितरित किया गया। पूरे आयोजन में भक्तों का उत्साह, अनुशासन एवं स्वभाव देखते ही बनता था। वृंदावन चंद्रोदय मंदिर द्वारा आयोजित इस भव्य रथयात्रा ने एक बार पुनः ब्रजभूमि के आध्यात्मिक वातावरण को भक्ति रस से सराबोर कर दिया।

करहल में जाम की समस्या से जूझ रहे लोग, आखिर कब मिलेगी राहत?

टीएनएफ टुडे, करहल।

नगर में लगातार बढ़ती जाम की समस्या आम लोगों के लिए बड़ी परेशानी बनती जा रही है। मुख्य बाजार, घिरोर चौराहा, तहसील रोड, स्टेशन रोड तथा अन्य प्रमुख मार्गों पर रोजाना घंटों तक वाहन रेंगते नजर आते हैं। जाम के कारण स्कूली बच्चों, मरीजों, व्यापारियों और नौकरीपेशा लोगों को समय पर अपने गंतव्य तक पहुंचने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़कों के किनारे बढ़ते अतिक्रमण, अव्यवस्थित पार्किंग और यातायात नियमों की अनदेखी के चलते स्थिति दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है। कई बार एंबुलेंस और अन्य आपातकालीन वाहनों को भी जाम में फंसना पड़ता है, जिससे लोगों में नाराजगी बढ़ रही है।

नगरवासियों का कहना है कि समय-समय पर प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाती है, लेकिन कुछ ही दिनों बाद फिर से सड़कों पर कब्जा होने लगता है। लोगों का मानना है कि यदि नियमित रूप से अभियान चलाया जाए और यातायात व्यवस्था को प्रभावी बनाया जाए तो जाम की समस्या पर काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सकता है।

अब लोगों की निगाहें करहल उपजिलाधिकारी (एसडीएम) की ओर लगी हैं। नगरवासियों का सवाल है कि आखिर करहल में स्थायी रूप से अतिक्रमण हटाओ अभियान कब चलाया जाएगा और कब उन्हें रोजाना लगने वाले जाम से राहत मिलेगी। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि इस गंभीर समस्या का शीघ्र समाधान कर नगरवासियों को सुगम और सुरक्षित यातायात व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए।

मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी ने निमार्णाधीन मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय (प्री-प्राइमरी से कक्षा-12), राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर में टाइप-04 के 24 नग आवासों का निरीक्षण करते हुए कहा कि निमार्णाधीन परियोजनाओं को गुणवत्तापरक, समयबद्ध पूर्ण कराना संबंधित विभागों, कार्यदायी संस्थाओं की जिम्मेदारी है, निर्माण कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही, मानकों की अनदेखी, गुणवत्ता से समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा, सम्बन्धित अधिकारी नियमित स्थलीय निरीक्षण, सत्त मॉनिटरिंग, तकनीकी मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करायें ताकि जनहित की महत्वपूर्ण परियोजनाओं का लाभ समय पर आमजन, विद्यार्थियों को मिल सके।

श्री त्रिपाठी ने बेसिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत निमार्णाधीन मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय (प्री-प्राइमरी से कक्षा-12) के निरीक्षण के दौरान कार्यों की भौतिक, वित्तीय प्रगति की समीक्षा करते हुए कार्यदायी संस्था उ.प्र. प्रोजेक्ट्स कॉर्पोरेशन लिमि. के अभियंताओं को निर्देशित किया कि विद्यालय परिसर की प्रस्तावित बाउंड्रीवाल का चिन्हांकन तत्काल कराया जाये, मिट्टी भराई के कार्य में अपेक्षित गति लायी जाये, निर्माण स्थल पर स्वीकृत मॉडल, नक्शा एवं ड्राइंग अनिवार्य रूप से उपलब्ध रहे ताकि कार्य निर्धारित मानकों एवं डिजाइन के अनुरूप कराया जा सके। उन्होंने निर्माण स्थल पर उपलब्ध सीमेंट, सरिया सहित अन्य निर्माण सामग्री की गुणवत्ता का निरीक्षण करते हुए कहा कि प्रत्येक निर्माण सामग्री की समयबद्ध रूप से प्रयोगशाला में गुणवत्ता की जांच करायी जाए, मौके पर उपस्थित कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारियों ने बताया कि रू. 24.07 करोड़ की लागत से परियोजना में अब तक रू. 11.97 करोड़ की धनराशि अवमुक्त हो चुकी है, अवमुक्त धनराशि में रू 02.40 करोड़ व्यय किए जा चुके हैं, वर्तमान में परियोजना की भौतिक प्रगति 12.16 प्रतिशत है, जिसपर उन्होंने कार्य की गति बढ़ाते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर निर्माण पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, परिसर में टाइप-04 के 24 आवासों के निर्माण कार्यों की गुणवत्ता एवं प्रगति का बारीकी से निरीक्षण किया, निरीक्षण के दौरान जानकारी करने पर पाया कि रू 17.82 करोड़ लागत की इस परियोजना पर अब तक रू 14.09 करोड़ धनराशि व्यय की जा चुकी हैं, परियोजना में लगभग 90 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है, जिसपर उन्होंने कहा कि धनाभाव के कारण कार्य प्रभावित नहीं होना चाहिए, अवशेष कार्यों के लिए आवश्यक धनराशि उपलब्ध कराने हेतु उनकी ओर से तत्काल पत्राचार किया जाए ताकि परियोजना समय से पूर्ण होकर उपयोग के लिए उपलब्ध हो सके।

निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी नेहा बंधु, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सूर्य प्रताप सिंह, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी अरूण कुमार शुक्ला सहित कार्यदायी संस्थाओं के अभियंता आदि उपस्थित रहे।

कुर्रा में अवैध पैथोलॉजी संचालन का आरोप, जांच की मांग

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

कुर्रा कस्बे में एक पैथोलॉजी सेंटर के कथित रूप से बिना वैध लाइसेंस और आवश्यक दस्तावेजों के संचालन का आरोप लगाते हुए स्थानीय लोगों ने स्वास्थ्य विभाग से जांच की मांग की है।

जानकारी के अनुसार, कस्बे में स्थित देव पैथोलॉजी सेंटर पर बिना मानकों का पालन किए पैथोलॉजी जांच करने का आरोप लगाया जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि सेंटर के पास सभी आवश्यक अनुमति और लाइसेंस मौजूद हैं, तो उन्हें संबंधित अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

बताया गया कि इस संबंध में पैथोलॉजी संचालक से बातचीत करने पर उन्होंने दावा किया कि उनके पास आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध हैं और वे संबंधित विभाग को दिखाए जा चुके हैं। हालांकि, इस दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है।

स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन और मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा यदि कोई अनियमितता पाई जाती है तो नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की है।

व्यापार बन्धु की बैठक 20 जुलाई को

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

उपायुक्त (प्रशासन) राज्य कर ने बताया कि व्यापार बंधु की बैठक दि. 20 जुलाई को अपरान्ह 04 बजे जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में होगी। उन्होने समिति के सदस्यों, सम्बन्धित अधिकारियों से बैठक में समय से प्रतिभाग करने को कहा है।

विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित

धौलपुर। 220 केवी जीएसएस धौलपुर पर 132, 11 केवी 6/8 एमवीए और 132, 11 केवी 10/12.5 एमवीए ट्रांसफार्मर तथा 132, 33 केवी 20/25 एमवीए की बाय के नीचे यार्ड में रिग्रवेलिंग और इंटरलॉकिंग का कार्य होने के कारण 18 जुलाई को विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।

अधिशाषी अभियन्ता 220 केवी जीएसएस संध्या चौहान ने बताया कि 18 जुलाई को 220 केवी जीएसएस धौलपुर के 11 केवी फीडर नंबर 1, 2, 3, 4 एवं 6 के आदर्श नगर, झोरवाली माता मंदिर एरिया, आनन्द नगर, जगदम्बा कॉलोनी, जगदीश तिराहा, भोगीराम कॉलोनी, गुरुद्वारा रोड, पुराना हॉस्पिटल एरिया, केन्द्रीय विद्यालय, पचगांव, भागीरथपुरा आदि क्षेत्रों की प्रातः 9 बजे से 10 बजे तक तथा 33 केवी सैपऊ एवं डांगबसई के सैपऊ, बसईनवाब, तसीमो, सरानीखेड़ा, करीमपुर, जाखी एवं डांगबसई की 11 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।

सम्पूर्ण समाधान दिवस आज, जिलाधिकारी कुरावली में सुनेंगे फरियादियो की फरियाद

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

मैनपुरी। जन-शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु शासन के निदेर्शों के क्रम में आयोजित होने वाला सम्पूर्ण समाधान दिवस दि. 18 जुलाई को जनपद की समस्त तहसीलों में आयोजित होगा। जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी तहसील कुरावली में उपस्थित रहकर संम्पूर्ण समाधान दिवस पर जनता की शिकायतों को सुनेंगे। उन्होंने सभी सम्बन्धित अधिकारियों से समय से तहसील कुरावली में आयोजित संम्पूर्ण समाधान दिवस में उपस्थित होने को कहा है। मुख्य विकास अधिकारी तहसील भोगांव में, अपर जिलाधिकारी तहसील करहल में एवं अपर जिलाधिकारी न्यायिक तहसील किशनी में जन-समस्याए सुनेंगे।

भूजल संरक्षण का दिया संदेश, विद्यार्थियों ने लिया जल बचाने का संकल्प

टीएनएफ टुडे, करहल।

उच्च प्राथमिक विद्यालय पैरार शाहपुर, विकास खंड बरनाहल में भूजल सप्ताह के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने हाथों में "जल है तो कल है", "भूजल बचाओ, भविष्य बचाओ", "वर्षा जल का करें संचयन, जल संरक्षण बने हमारा कर्तव्य", "हर बूंद की है अपनी कहानी, पानी बचाना है हम सबकी जिम्मेदारी" तथा "जल संरक्षण अपनाएँ, आने वाली पीढ़ी का भविष्य बचाएँ" जैसे प्रेरक स्लोगन लिखी पट्टिकाएं लेकर लोगों को भूजल संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान मुकेश यादव रहे। इस अवसर पर अभिभावक अशोक कुमार एवं श्याम सिंह सहित बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विद्यालय के पुरातन छात्र रोहित कुमार भी विशेष रूप से उपस्थित रहे और उन्होंने विद्यार्थियों को जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया।

विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक देवेश कुमार अवस्थी ने कहा कि भूजल स्तर को सुरक्षित रखना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। उन्होंने विद्यार्थियों से जल का सदुपयोग करने तथा अपने घरों और आसपास के लोगों को भी जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में विद्यालय के सहायक अध्यापक दिनेश चंद्र, अमित प्रताप सिंह एवं धर्मवीर सिंह चौहान सहित समस्त स्टाफ तथा विद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागियों द्वारा "जल बचाएँ, जीवन बचाएँ" के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

मत्स्य पालकों के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

सहायक निदेशक मत्स्य ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में मत्स्य विभाग द्वारा संचालित राज्य सेक्टर की योजनाओं के अंतर्गत जन-सामान्य को ऑनलाइन आवेदन करने हेतु विभागीय पोर्टल 31 जुलाई तक खोला गया है। उन्होने बताया कि मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना, सघन मत्स्य पालन हेतु एयरेशन सिस्टम की स्थापना योजना, उ.प्र. मत्स्य पालक कल्याण कोष के अन्तर्गत मोपेड विद आइस बॉक्स परियोजना, माता-सुकेता महिला मत्स्य पालक सशक्तिकरण परियोजनान्तर्गत श्रेणी-01, 02 एवं 03 के जलाशय वाले जनपदों में केज स्थापना, अंतदेर्शीय खारे जल क्षेत्रों में मात्स्यिकी के विकास हेतु नये तालाब निर्माण व प्रथम वर्ष निवेश, उत्तर प्रदेश में मोती संवर्धन योजना, विशिष्ट प्रजाति की मत्स्य, चरी स्थापना योजना आदि उपरोक्त योजनाओं में लाभ प्राप्त करने हेतु योजनावार आवेदन पृथक-पृथक करने होंगे, परियोजना का विवरण, ईकाई लागत, आवेदन की प्रक्रिया, आवेदन के साथ संलग्न किये जाने वाले अभिलेख, विस्तृत विवरण विभागीय पोर्टल पर भी देखा जा सकता है, उक्त योजनाओं में यदि भविष्य मे कोई सशोधन होता है तो संशोधित प्राविधान लागू होंगे, इसके अतिरिक्त कार्यालय सहायक निदेशक मत्स्य, विकास भवन से किसी भी कार्य-दिवस में विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

लेखपाल व राजस्व टीम पर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला, सरकारी कार्य में बाधा; गाड़ी के शीशे तोड़े

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

जनपद के एलाऊ थाना क्षेत्र में सरकारी कार्य के दौरान लेखपाल व राजस्व टीम पर जानलेवा हमले का मामला सामने आया है। आरोप है कि सरकारी कार्यवाही के लिए पहुंची राजस्व टीम पर एक युवक और उसके अज्ञात साथी ने हमला कर दिया। इस दौरान आरोपियों ने कुल्हाड़ी से सरकारी वाहन के शीशे और बॉडी पर वार कर क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना के बाद राजस्व टीम किसी तरह अपनी जान बचाकर मौके से भागी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, राजस्व विभाग की टीम एलाऊ चौराहे के पास सरकारी कार्य के लिए पहुंची थी। इसी दौरान सौरभ नामक युवक अपने एक अज्ञात साथी के साथ वहां पहुंचा और टीम के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने कुल्हाड़ी से हमला कर सरकारी वाहन को भी निशाना बनाया, जिससे वाहन के शीशे टूट गए और उसमें नुकसान हुआ।

घटना के बाद राजस्व विभाग में हड़कंप मच गया। तहसीलदार सहित बड़ी संख्या में लेखपाल एलाऊ थाने पहुंचे और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। मामले में थाना एलाऊ पुलिस ने लेखपाल की तहरीर के आधार पर नामजद आरोपी सौरभ तथा एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पुलिस का कहना है कि सरकारी कार्य में बाधा डालने, मारपीट, जानलेवा हमले और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोपों की गंभीरता से जांच की जा रही है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम गठित कर दी गई है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद राजस्व कर्मचारियों में आक्रोश व्याप्त है और उन्होंने दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है।

दिव्यांगजन शादी प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के तहत आवेदन आमंत्रित, पात्र दम्पतियों को मिलेगा 35 हजार तक का प्रोत्साहन

एटा। जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी रोहित कुमार ने जनपद एटा के समस्त दिव्यांगजनों, उनके सहयोग के लिए कार्यरत सामाजिक कार्यकताओं एवं संस्थाओं को अवगत कराया है कि दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा संचालित दिव्यांगजन शादी प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के अंतर्गत पात्र दिव्यांग दम्पतियों को प्रोत्साहन राशि प्रदान की जा रही है।

उन्होंने बताया कि योजना के तहत यदि युवक दिव्यांग है तो 15,000रू., युवती दिव्यांग होने पर 20,000 रू. तथा युवक एवं युवती दोनों दिव्यांग होने की स्थिति में 35,000 रू. की प्रोत्साहन राशि दम्पति के संयुक्त बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से उपलब्ध कराई जाती है।

उन्होंने बताया कि जनपद एटा के ऐसे पात्र दिव्यांगजन, जिनका विवाह 01 अप्रैल 2025 से अब तक संपन्न हुआ है, वे किसी भी जनसेवा केंद्र अथवा लोकवाणी केंद्र के माध्यम से विभागीय पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की हार्ड कॉपी आवश्यक अभिलेखों सहित कार्यालय जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी, जिला पंचायत परिसर, एटा में शीघ्र जमा कर योजना का लाभ प्राप्त करें। योजना के लिए आवश्यक अभिलेखों में दम्पति का संयुक्त फोटो, विवाह पंजीकरण प्रमाण-पत्र अथवा विवाह कार्ड, मूल निवास प्रमाण-पत्र, आय प्रमाण-पत्र, 40 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता का प्रमाण-पत्र, राष्ट्रीयकृत बैंक में संयुक्त बैंक खाता, आयु संबंधी प्रमाण-पत्र तथा अन्य निर्धारित अभिलेख शामिल हैं।

पुलिस अधीक्षक ने ली शुक्रवार परेड की सलामी, पुलिस लाइन और आरटीसी का किया औचक निरीक्षण

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

जनपद के पुलिस अधीक्षक गणेश प्रसाद साहा द्वारा शुक्रवार को रिजर्व पुलिस लाइन में आयोजित साप्ताहिक शुक्रवार परेड की सलामी ली गई। इस दौरान पुलिसकर्मियों को शारीरिक और मानसिक रूप से चुस्त-दुरुस्त रखने के लिए दौड़ लगवाई गई, साथ ही बल में अनुशासन और एकरूपता बनाए रखने के उद्देश्य से टोलीवार ड्रिल का अभ्यास भी कराया गया।

परेड के समापन के उपरांत पुलिस अधीक्षक ने पुलिस लाइन परिसर का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने यूपी 112, यातायात कार्यालय, शस्त्रागार और परिवहन शाखा का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को परिसर में उच्च स्तरीय साफ-सफाई बनाए रखने के कड़े दिशा-निर्देश जारी किए। इसके साथ ही, उन्होंने पुलिस लाइन स्थित आरटीसी (रिक्रूट ट्रेनिंग सेंटर) का भी भ्रमण किया, जहां उन्होंने आरटीसी बैरक, विद्यालय और भोजनालय की व्यवस्थाओं को परखा। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने वहां प्रशिक्षण ले रहे कंप्यूटर ऑपरेटर प्रशिक्षुओं से सीधा संवाद कर उन्हें सेवा में गुणवत्ता, निष्ठा और कड़े अनुशासन का पालन करने की सीख दी। इस अवसर पर प्रशिक्षुओं का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें फल, सूक्ष्म जलपान और अन्य आवश्यक सामग्रियां भी वितरित की गईं।

परिवार परामर्श केंद्र की पहल से एक परिवार में लौटी खुशियां, पति-पत्नी साथ रहने को हुए राजी

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

पुलिस अधीक्षक मैनपुरी के निर्देशन में शुक्रवार को परिवार परामर्श केंद्र का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 26 पत्रावलियों पर सुनवाई की गई। सुनवाई के दौरान एक प्रकरण का सफलतापूर्वक निस्तारण कर पति-पत्नी को आपसी मतभेद भुलाकर साथ रहने के लिए राजी कराया गया।

परामर्श केंद्र में श्रीमती आरती निवासी ग्राम जटपुरा, थाना किशनी और उनके पति रूप किशोर निवासी ग्राम मधुपुरी, थाना बिछवां के मामले की सुनवाई की गई। दोनों का विवाह 24 जून 2021 को हिंदू रीति-रिवाज से हुआ था। आवेदिका ने पति पर शराब के नशे में मारपीट करने तथा भरण-पोषण का खर्च न देने के आरोप लगाए थे। इस मामले में दोनों पक्षों को चार अलग-अलग तिथियों पर बुलाकर काउंसलिंग की गई। शुक्रवार को हुई अंतिम काउंसलिंग में परिवार परामर्श केंद्र के प्रयास रंग लाए और दोनों पक्षों ने अपने गिले-शिकवे भुलाकर दोबारा साथ रहने की सहमति जताई। इसके बाद मामले का सफलतापूर्वक निस्तारण कर पत्रावली का निपटारा कर दिया गया।

इस अवसर पर प्रभारी परिवार परामर्श केंद्र हेमलता सिंह, काउंसलर रामकिशन यादव, मुजम्मिल मिर्जा, मंजुषा चौहान, ज्योति मेशी, मनोरमा सिंह, कु. आराधना गुप्ता, ममता चौहान, महिला हेड कांस्टेबल कुसुम तथा महिला कांस्टेबल रेशू देवी उपस्थित रहीं।

लापता पहलवान का नहर में मिला शव, हत्या की आशंका

टीएनएफ टुडे, करहल/ कुर्रा।

कुर्रा थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहाँ एक दिन पहले लापता हुए 60 वर्षीय पहलवान दारा सिंह पुत्र तोफान सिंह का शव शुक्रवार सुबह पातराहार नहर में तैरता हुआ पाया गया। परिजनों के अनुसार, दारा सिंह गुरुवार सुबह घर से टहलने के लिए निकले थे, जिसके बाद से वे लापता थे। ग्रामीणों की सूचना पर पहुँची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से शव को पानी से बाहर निकाला।

जुलाई की इस भीषण गर्मी

में शव का कंबल और जैकेट में लिपटा होना तथा चेहरे पर खून के निशान मिलना कई गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।

मृतक के हाथ पर लिखे नाम से उनकी शिनाख्त हुई। अविवाहित दारा सिंह चार भाइयों में तीसरे नंबर पर थे और वे एक जाने-माने पहलवान थे। परिजनों ने किसी भी पुरानी दुश्मनी से इनकार करते हुए हत्या कर शव को नहर में फेंकने की आशंका जताई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की गहनता से तफ्तीश शुरू कर दी है।

मतदेय स्थलों के रेशनलाइजेशन पर राजनीतिक दलों के साथ हुई बैठक

निर्वाचन आयोग के निदेर्शों के अनुपालन में सभी दलों से मांगे गए सुझाव एवं आपत्तियां

- निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सुगम निर्वाचन प्रक्रिया सुनिश्चित करने पर जोर

❍ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, एटा।

भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के निदेर्शों के क्रम में जनपद एटा में मतदेय स्थलों के संभाजन के संबंध में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी अरविन्द सिंह की अध्यक्षता में जनपद के मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनीतिक दलों के अध्यक्षों, प्रतिनिधियों तथा संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार मतदेय स्थलों के संभाजन की कार्यवाही निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण की जानी है। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया का उद्देश्य मतदाताओं को अधिक सुविधाजनक, सुगम एवं पारदर्शी मतदान व्यवस्था उपलब्ध कराना है, ताकि प्रत्येक पात्र मतदाता अपने मताधिकार का सहजता से प्रयोग कर सके।

जिलाधिकारी ने सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से मतदेय स्थलों के संबंध में अपने सुझाव एवं आपत्तियां समयबद्ध ढंग से उपलब्ध कराने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्राप्त सुझावों का परीक्षण निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेर्शों के अनुरूप किया जा रहा है,पूरी प्रक्रिया निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के साथ संपन्न कराई जाएगी।

बैठक में निर्वाचन आयोग के प्रावधानों की विस्तार से जानकारी देते हुए बताया गया कि जहां आवश्यक होगा, वहां मतदाताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मतदेय स्थलों का पुनर्गठन किया जाएगा।

विशेष रूप से ऐसे मतदेय स्थलों पर ध्यान दिया जाएगा जहां मतदाताओं की संख्या 1200 सेअधिक है तथा मतदान केंद्र की दूरी 2 किमी से अधिक अथवा मतदान केंद्रों के पुनर्संतुलन एवं मूलभूत सुविधाओं की आवश्यकता है।

बैठक में विभिन्न मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया तथा निर्वाचन प्रक्रिया को अधिक प्रभावी एवं मतदाता हितैषी बनाने के संबंध में अपने सुझाव प्रस्तुत किए।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वि./रा.),लालता प्रसाद शाक्य,अपर जिलाधिकारी न्यायिक रमेश मौर्य,उप जिलाधिकारीगण, निर्वाचन कार्यालय के अधिकारी एवं समस्त मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि गण आदि उपस्थित रहे।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को आयोग के दिशा-निदेर्शों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करते हुए संभाजन की कार्यवाही निर्धारित समयावधि में पूर्ण पारदर्शिता के साथ सम्पन्न करने के निर्देश दिए।

ग्राम पंचायतों की विकास कार्ययोजना: सचिवों व पंचायत सहायकों का प्रशिक्षण

- ब्लॉक अलीगंज सभागार में आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण में जीपीडीपी तैयार करने के सिखाए गुर
- गांवों की जरूरतों के अनुरूप योजना बनाने पर जोर

❍ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, अलीगंज (एटा)।

ग्रामीण विकास योजनाओं को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जनभागीदारी आधारित बनाने के उद्देश्य से गुरुवार को विकासखंड अलीगंज के ब्लॉक सभागार में न्याय पंचायत स्तर के ग्राम पंचायत सचिवों एवं पंचायत सहायकों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण में ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी) तैयार करने की पूरी प्रक्रिया, ग्राम सभा की भूमिका, विभागीय समन्वय, ऑनलाइन कार्यप्रणाली तथा गांवों की आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों का चयन करने के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण की शुरूआत में अधिकारियों ने बताया कि ग्राम पंचायत विकास योजना गांव के समग्र विकास का महत्वपूर्ण दस्तावेज होती है। इसे तैयार करते समय प्रत्येक गांव की स्थानीय आवश्यकताओं, उपलब्ध संसाधनों तथा ग्रामीणों की प्राथमिकताओं को शामिल किया जाना चाहिए। योजना निर्माण में शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, स्वच्छता, सड़क, नाली, स्ट्रीट लाइट, जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, महिला एवं बाल विकास, सामाजिक सुरक्षा और आजीविका से जुड़े विषयों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए।

प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर नाहर सिंह, रोशन सिंह, रमन प्रकाश एवं राकेश बाबू ने सचिवों और पंचायत सहायकों को ग्राम पंचायत विकास योजना तैयार करने के विभिन्न चरणों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ग्राम सभा के माध्यम से ग्रामीणों से सुझाव प्राप्त कर उनकी प्राथमिकताओं के आधार पर कार्ययोजना तैयार की जाए। साथ ही योजना को निर्धारित समय सीमा के भीतर पोर्टल पर अपलोड करने, अभिलेखों का सही रखरखाव करने और विकास कार्यों के प्रस्तावों का विधिवत संकलन करने के बारे में भी विस्तार से समझाया।

एडीओ पंचायत राकेश कुमार ने कहा कि ग्राम पंचायत की कार्ययोजना केवल औपचारिकता नहीं है, बल्कि गांव के विकास की दिशा तय करने वाला महत्वपूर्ण दस्तावेज है। यदि कार्ययोजना सही तरीके से तैयार होगी तो विकास कार्यों के क्रियान्वयन में पारदर्शिता आएगी और शासन की योजनाओं का लाभ जरूरतमंद लोगों तक आसानी से पहुंचेगा। उन्होंने सभी सचिवों एवं पंचायत सहायकों से समयबद्ध तरीके से गुणवत्तापूर्ण कार्ययोजना तैयार करने का आह्वान किया।

एडीओ समाज कल्याण अनुज कुमार ने कहा कि ग्राम पंचायत विकास योजना में सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांगजन एवं निराश्रित महिला पेंशन, पात्र लाभार्थियों की पहचान तथा अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं को भी प्राथमिकता दी जाए, ताकि प्रत्येक पात्र व्यक्ति को शासन की योजनाओं का लाभ मिल सके।

व्यापारियों ने नवागत इंस्पेक्टर का किया स्वागत

सदर कोतवाली ने नवागत इंस्पेक्टर को पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित करते व्यापारी

- पुष्पहार पहनाकर भेंट किए पुष्प गुच्छ
- इंस्पेक्टर ने व्यापारियों को दिलाया सुरक्षा का भरोसा

❍ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

भारतीय उद्योग -व्यापार मंडल के प्रतिनिधि मंडल ने नवागत प्रभारी निरीक्षक कोतवाली कासगंज से औपचारिक भेंट कर,उनको नगर कासगंज की , कानून व्यवस्था से संबंधित समस्याओं से अवगत कराया। प्रभारी निरीक्षक ने सभी समस्याओं के निराकरण करने का आश्वासन दिया।

व्यापारियों ने नवागत इंस्पेक्टर जगदीश चंद्र से भेट के दौरान शहर के मुख्य बाजारों में रात्रि कालीन गस्त बढ़ाए जाने, सार्वजनिक स्थलों पर पुलिस पिकेट लगाने एवं नो एंट्री का कड़ाई से पालन कराये जाने की मांग रखी, इंस्पेक्टर ने व्यापारियों को उनकी मांगों के प्रति आश्वस्त किया साथ ही सुरक्षा का भरोसा दिया। व्यापारियों से कानून व्यवस्था बनाने में सहयोग की अपील की।

प्रतिनिधि मंडल में जिला अध्यक्ष राजेंद्र गुप्ता, महामंत्री अश्वनी चतुवेर्दी, मुशीर अहमद, अम्बरीश वशिष्ठ, कृष्ण मुरारी दारगढ़, ललित बिरला, अशोक डांगरा, शिवम वर्मा, तारिक सिद्दीकी सहित अन्य व्यापारी मौजूद रहे।

राम मंदिर अयोध्या ट्रस्ट के अध्यक्ष कल्याण सिंह होते तो चंदा की चोरी नहीं होती: देवेन्द्र लोधी एडवोकेट

❍ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, एटा।

राम मंदिर अयोध्या ट्रस्ट के अध्यक्ष कल्याण सिंह होते तो ट्रस्ट में चंदा चोरो की न तो भर्ती होती और न ही चंदा चोरी जैसी बड़ी घटना घटित होती। यह शब्द बजरंग दल एटा कासगंज जिले के पूर्व विभाग संयोजक/राष्ट्रीय लोधी महासभा जनपद एटा के जिला अध्यक्ष/पंचायत विकास संस्थान उत्तर प्रदेश के सचिव देवेन्द्र कुमार लोधी एडवोकेट ने मीडिया से रूबरू होते हुए कहे।

इस घटना से देश भर में सनातनियों की भावना और आस्था को ठेस पहुंची है। ऐसा लगता है कि यह सब पहले से ही योजनाबद्ध तरीके से किया गया हो, इससे विपक्षी पाटीयों के राजनेताओं, कवियों, विचारकों को बोलने का मौका मिल गया है। इस घटना को सही समय से समाधान नहीं किया गया तो वह दिन दूर न होगा कि उत्तर प्रदेश के साथ ही पूरे देश में भाजपा को काफी नुकसान उठाना पड़ सकता है। जिन लोगों ने मंदिर निर्माण के लिए इस ट्रस्ट में चंदा दिया है वह लोग चंदा चोरी की घटना से ज्यादा आहत हैं। जहां संघ पूरे देश में वैवांक बोलता रहता था अब उसके पास भी इस घटना का कोई जवाब नहीं होगा।

अंत में उन्होंने कहा कि राम मंदिर अयोध्या ट्रस्ट में बाबूजी कल्याण सिंह होते तो ऐसी घटना घटित ही नहीं होती। आगामी विधानसभा चुनाव 2027 में विपक्ष को भाजपा और संघ ने मजबूत मुद्दा चंदा चोरी का दे दिया है।

यह मुद्दा पिछले विधानसभा चुनावों में छाया रहा "संविधान खतरे में है, संविधान बचाओ"से भी ज्यादा तेज हो सकता है। इसलिए समय रहते हुए भाजपा और संघ को चिंता करनी होगी, और समाधान भी ढूंढना होगा। और प्रदेश में चल रही अग्रेजों जैसी सरकार को भी अपने राजनेताओं को शक्तियां और मनमानी कर रही पुलिस पर अंकुश लगाने की भी जरूरत महसूस हो रही है। पीड़ितों की रिपोर्ट तक नहीं लिखी जा रही है।

दिव्यांगजनों के लिए दुकान निर्माण एवं दुकान संचालन योजना का लाभ उठाने का सुनहरा अवसर

एटा। जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी रोहित कुमार ने जनपद के समस्त दिव्यांगजनों, उनके सहयोग के लिए कार्यरत सामाजिक कार्यकताओं एवं संस्थाओं को अवगत कराया है कि दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा संचालित दुकान निर्माण एवं दुकान संचालन योजना के अंतर्गत पात्र दिव्यांगजनों को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है।

उन्होंने बताया कि दुकान संचालन योजना के अंतर्गत खोखा, गुमटी, ठेला आदि के माध्यम से दुकान संचालित करने हेतु पात्र लाभार्थियों को 10,000 की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाती है, जिसमें ?2,500 अनुदान तथा 7,500 ऋण मात्र 4 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर पर दिया जाता है। इसी प्रकार दुकान निर्माण योजना के अंतर्गत नई दुकान के निर्माण के लिए 20,000 की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, जिसमें 5,000 अनुदान तथा 15,000 ऋण मात्र 4 प्रतिशत वार्षिक साधारण ब्याज दर पर उपलब्ध कराया जाता है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्र एवं अपातत्रो की सत्यापन सूची नोटिस बोर्ड पर होगी चस्पा

❍ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत प्राप्त ऑनलाइन आवेदनों की पात्रता एवं अपात्रता सूची नोटिस बोर्ड पर चस्पा की जाएगी।

एडीएम एवं परियोजना निदेशकजिला नगरीय स्थानीय विकास अभिकरण स्तर पर ने बताया कि स्थानीय स्तर पर सभी आवेदनों का सत्यापन कराया जा रहा है,सत्यापन पूर्ण होने के उपरांत पात्र एवं अपात्र आवेदकों की सूची संबंधित नगर निकायों के नोटिस बोर्ड पर चस्पा की जाएगी।

उन्होंने बताया कि योजना के पारदर्शी एवं निष्पक्ष क्रियान्वयन के उद्देश्य से सूची का व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जाएगा। साथ ही लाभार्थियों को जागरूक किया जाएगा कि योजना पूर्णतः निःशुल्क एवं तकनीकी आधारित है। यदि कोई व्यक्ति योजना के नाम पर किसी प्रकार के शुल्क की मांग करता है तो उसकी शिकायत तत्काल संबंधित अधिकारियों से करें तथा किसी भी दलाल या बिचौलिये के बहकावे में न आएं।

उन्होंने निर्देश दिए हैं कि नगर निकाय सूची प्रकाशित करने के बाद प्राप्त आपत्तियों का एक सप्ताह के भीतर निस्तारण करेंगे। इसके उपरांत अंतिम चयनित लाभार्थियों की सूची डूडा कार्यालय को उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि यूनिफाइड वेब पोर्टल पर अग्रिम कार्यवाही करते हुए डीपीआर तैयार कर शासन को प्रेषित की जा सके। उन्होंने बतिया की स्थानीय स्तर पर सत्यापन का कर शीघ्रता से पूरा कराया जाएगा जिससे पात्र व्यक्तियों को समय से योजना का लाभ मिल सके ।

जीवनदायनी होते हैं वृक्ष: मीनाक्षी गौड़

- महिलाओं ने पौधे रोपित कर लिया पोषण का संकल्प
- एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत लगाए पौधे

❍ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

शहर के नदरई गेट स्थित प्रभु पार्क में "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के अंतर्गत पौधा रोपण कार्यक्रम हुआ महिलाओं ने पौधे लगाकर उनके पोषण का संकल्प लिया। इस मौके पर फल, फूल, और ओषधि के पौधों का रोपण किया गया।

अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा की मंडल अध्यक्ष श्रीमती मीनाक्षी गौड़ ने पेड़ों के महत्व पर प्रकाश डाले उन्होंने कहा कि पेड़ जीवन दायनी होते हैं इनसे आक्सीजन के अलावा विभिन्न प्रकार की ओषधियां मिलती है। उन्होने कहा देखने को मिल रही प्राकृतिक आपदा वनो के कटान का ही दुष्परिणाम है। उन्होंने वनों के संरक्षण पर बल दिया। प्रभु पार्क में फल, फूल, ओषधि एवं छायादार पौधे रोपित किए गए। ब्राह्मण महासभा की जिलाध्यक्ष श्रीमती मंजू भारद्वाज , नीलम पाराशर , राधा रानी,नीलू मिश्रा , आरती मिश्रा सहित ब्राह्मण समाज की बहनों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

20 जुलाई तक करें हज-2027 के लिए ऑनलाइन आवेदन, एटा में निःशुल्क हज ई-सुविधा केंद्र स्थापित

❍ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, एटा।

जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी रंजना शुक्ला ने बताया कि निदेशक, अल्पसंख्यक कल्याण उत्तर प्रदेश, लखनऊ के निदेर्शों के क्रम में हज कमेटी ऑफ इंडिया, मुंबई द्वारा हज-2027 के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। इच्छुक आवेदक 20 जुलाई 2026 (रात्रि 11:59 बजे) तक हज कमेटी ऑफ इंडिया की वेबसाइट एवं हज सुविधा ऐप के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि जनपद एटा में हज यात्रियों की सुविधा के लिए तहसील सदर एटा एवं तहसील जलेसर में निःशुल्क हज ई-सुविधा केंद्र स्थापित किए गए हैं। सदर एटा में मदरसा बरकातिया इस्लामिया अरबिक स्कूल, किदवई नगर में मो. इरफान रजा (मो. 9627703047) तथा जलेसर में मदरसा सैयद रहमत दारूल उलूम, मकसूदपुर में मो. जवीर अहमद (मो. 8057607931) को नोडल नामित किया गया है। यहां हज आवेदन से संबंधित निःशुल्क सहायता उपलब्ध रहेगी।

जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने बताया कि आवेदन के लिए मशीन-पठित पासपोर्ट अनिवार्य है, जिसकी वैधता 31 दिसंबर 2027 तक होनी चाहिए। आवेदन करते समय पासपोर्ट आकार का फोटो, पासपोर्ट के प्रथम एवं अंतिम पृष्ठ की प्रति, निवास प्रमाण पत्र, बैंक खाते का विवरण तथा कैंसिल चेक अथवा बैंक पासबुक की प्रति अपलोड करना आवश्यक होगा।

उन्होंने बताया कि हज-2027 के लिए 40 दिवस एवं 20 दिवस की दो श्रेणियां निर्धारित की गई हैं। 20 दिवस श्रेणी के यात्रियों के लिए केवल सात प्रस्थान केंद्र–अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, कोच्चिन, दिल्ली, हैदराबाद एवं मुंबई–निर्धारित किए गए हैं। अधिकतम पांच व्यक्ति एक साथ आवेदन कर सकते हैं, लेकिन सभी को एक ही श्रेणी में आवेदन करना होगा तथा प्रत्येक आवेदक का स्वयं का मोबाइल नंबर दर्ज करना अनिवार्य होगा।

उन्होंने यह भी बताया कि 65 वर्ष एवं उससे अधिक आयु की महिलाएं "लेडीज विदाउट मेहरम" श्रेणी में आवेदन कर सकती हैं। वहीं 66 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के सामान्य आवेदकों के साथ 40 से 64 वर्ष आयु का एक कंपेनियन होना आवश्यक होगा।

रंजना शुक्ला ने बताया कि हज-2027 से संबंधित विस्तृत दिशा-निर्देश एवं हज नीति हज कमेटी ऑफ इंडिया तथा उत्तर प्रदेश राज्य हज समिति की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। आवेदन पत्र भरने से पूर्व सभी अभ्यर्थी दिशा-निदेर्शों का भली-भांति अध्ययन कर लें।

संगठन में ही है शक्ति का समावेश: गौड़

❍ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

- उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के कई साथियों की हुई पुनः घर वापसी

शहर के स्थानीय होटल में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल, कासगंज द्वारा नवनियुक्त पदाधिकारियों के स्वागत, सम्मान समारोह एवं संगठन विस्तार कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में जिले के प्रतिष्ठित व्यापारी, सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। पूरे कार्यक्रम में व्यापारी एकता और संगठनात्मक मजबूती का उत्साह देखने को मिला।

इस अवसर पर प्रांतीय अध्यक्ष श्री बनवारी लाल कंछल द्वारा श्रीमती पूजा वार्ष्णेय को पुनः प्रदेश मंत्री (महिला प्रकोष्ठ) नियुक्त किए जाने की घोषणा की गई। वहीं संगठन द्वारा पूर्व एमएलसी एवं वरिष्ठ भाजपा नेता श्री ज्ञान प्रकाश गुप्ता तथा प्रमुख उद्योगपति श्री योगेश चंद्र गौड़ को व्यापार मंडल का संरक्षक मनोनीत किया गया।कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष सतीश गुप्ता एवं नगर अध्यक्ष अखिलेश अग्रवाल सर्राफ ने डॉ. विकास चंद्र गुप्ता को पुनः युवा जिला अध्यक्ष तथा डॉ. मोहम्मद फारुख को पुनः जिला महामंत्री नियुक्त किए जाने पर माल्यार्पण एवं अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया। उपस्थित व्यापारियों ने दोनों पदाधिकारियों का जोरदार स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाएँ दीं।

अपने संबोधन में डॉ. विकास चंद्र गुप्ता ने कहा कि संगठन द्वारा उन पर पुनः व्यक्त किया गया विश्वास उनके लिए गौरव के साथ-साथ एक बड़ी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि वे व्यापारी समाज के सम्मान, सुरक्षा एवं अधिकारों की रक्षा के लिए सदैव समर्पित रहेंगे तथा युवा व्यापारियों को संगठन से जोड़कर व्यापार मंडल को नई ऊँचाइयों तक ले जाने का कार्य करेंगे।डॉ. मोहम्मद फारुख ने कहा कि व्यापारी समाज की सबसे बड़ी शक्ति उसकी एकता है। यदि सभी व्यापारी संगठित रहेंगे तो किसी भी समस्या का समाधान सहज रूप से संभव होगा।

जिला अध्यक्ष सतीश गुप्ता ने कहा कि उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल सदैव व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए संघर्षरत रहा है और भविष्य में भी पूरी मजबूती के साथ व्यापारियों की आवाज बुलंद करता रहेगा।नगर अध्यक्ष अखिलेश अग्रवाल सर्राफ ने सभी व्यापारियों से संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के लिए सक्रिय सहयोग का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि एक मजबूत संगठन ही व्यापारियों के हितों की प्रभावी रक्षा कर सकता है।कार्यक्रम के दौरान संगठन का विस्तार करते हुए नई नियुक्तियों की भी घोषणा की गई। सिढपुरा नगर युवा इकाई का अध्यक्ष मनोज गुप्ता, महामंत्री राजू शर्मा तथा अमित वार्ष्णेय को युवा जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया।समारोह में संरक्षक अनिल पुंढीर, अशोक अग्रवाल सर्राफ, पदम माहेश्वरी, सतवीर सिंह मंकू, राकेश गर्ग, रजत बिरला, अंकिश अग्रवाल, संभव जैन, कबीर प्रताप चौहान, मनोज सिंघल, संजय अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, असरार सैफी, सुरेश माहेश्वरी, मिंकी अग्रवाल, प्रवेंद्र राणा, गौरव वर्मा, दिनेश गर्ग, शरद अग्रवाल, पंकज शर्मा, प्रदीप गुप्ता, मयंक बिरला, राकेश गुप्ता, दीपक अग्रवाल, जितेंद्र वार्ष्णेय, मनीष अग्रवाल, सतेंद्र पडा, पूर्व तहसीलदार जमशेद आलम, आदि।

मुहम्मद जुबैर, नवेद अहमद ,तालिब सैफी,तथा गंजडुंडवारा नगर अध्यक्ष अमित महाजन ,सहावर नगर से राम कुमार साहू,पवन वार्ष्णेय,राशिद अंसारी, शारिक मिर्जा,अशरफ अंसारी सहित बड़ी संख्या में व्यापारी, समाजसेवी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।कार्यक्रम के संयोजक अखिलेश अग्रवाल सर्राफ एवं संजय बोहरे रहे। अंत में सभी उपस्थित व्यापारियों ने व्यापारी एकता को और अधिक सशक्त बनाने तथा संगठन को नई ऊँचाइयों तक ले जाने का संकल्प लिया।

निरन्तर कम हो रहा बैराजों से गंगा में पानी का डिस्चार्ज

❍ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

बैराजों से पानी का डिस्चार्ज कम होने से गंगा नदी में भी पानी का दवाब कम हो है। बीते तीन दिनों में गंगा का जलस्तर घटा है। जिससे किसानों और सिंचाई विभाग की चिंता कम होती दिखाई दे रही है। गुरुवार का कछला गंगा नदी पर गंगा का जल स्तर 161.18रिकार्ड किया गया है।

कछला गंगा नदी रौद्रता की ओर बढ़ रही थी जिससे किसानों और सिंचाई विभाग की नीद उड़ी हुई थी जिला प्रशासन भी चौकन्ना था। गंगा वार्निंग लेवल से मात्र चालीस सेंटीमीटर की दूरी पर ही रह गई थी। लेकिन बीते तीन दिनों में गंगा का रुख नर्म पड़ा है। बैराजों से पानी का डिस्चार्ज निरंन्तर कम हो रहा है। जिसके फलस्वरूप कछला गंगा नदी के भी तेवर ढीले पड़े हैं गंगा के जल स्तर ने भी गिरावट आई है। गंगा का जल स्तर घटकर 161.18पर आ पहुंचा है। जल स्तर कम होने से तट वर्तीय ग्रामों के किसानों,ग्रामीणों और सिंचाई विभाग की चिंता कम हुई है।

बैराजों से पानी का डिस्चार्ज

हरिद्वार बैराजः 21687क्यू सेक

बिजनौर बैराजः 31701क्यू सेक

नौरारा बैराजः 21861क्यू सेक

बैराजों से पानी का डिस्चार्ज कम हुआ है, जिसके फलस्वरूप कछला पर भी पानी के स्तर में कमी आई है। गुरुवार को गंगा में पानी का स्तर 161.18रिकॉर्ड किया गया है।

क्या रोहित बीसीसीआई के फैसले से संतुष्ट नहीं?

एजेंसी, कार्डिफ।

भारतीय क्रिकेट जगत में इस समय स्टार सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा के वनडे करियर को लेकर अटकलों का बाजार गर्म है। रिपोर्ट्स के अनुसार, इंग्लैंड के खिलाफ चल रही मौजूदा सीरीज के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और चयन समिति अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप के लिए नई रणनीति तैयार कर रही है। 2027 के अंत में होने वाले इस विश्व कप तक रोहित की उम्र 40 वर्ष से अधिक हो जाएगी। उनका हालिया फॉर्म ठीक नहीं रहा है और फॉर्म में चल रहे युवा ओपनर यशस्वी जायसवाल लंबे समय से अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

लॉर्ड्स में आखिरी बार खेलते दिखेंगे रोहित?

इंग्लैंड के खिलाफ कार्डिफ में खेले गए दूसरे वनडे मैच के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के संन्यास की अटकलों ने जोर पकड़ लिया है। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का अंतरराष्ट्रीय करियर अब अंतिम दौर में पहुंचता दिख रहा है। समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, इंग्लैंड के खिलाफ रविवार को लॉर्ड्स में खेला जाने वाला तीसरा वनडे रोहित शर्मा के अंतरराष्ट्रीय करियर का आखिरी मुकाबला हो सकता है। भारतीय चयन समिति मौजूदा इंग्लैंड दौरे के बाद उन्हें वनडे टीम में आगे मौका देने के पक्ष में नहीं दिख रही है, जिसका मतलब है कि वह अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप की योजनाओं का हिस्सा नहीं होंगे।

बीसीसीआई के फैसले से खुश नहीं थे रोहित

द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, इंग्लैंड के खिलाफ जारी तीन मैचों की वनडे सीरीज के दौरान रोहित शर्मा ने बीसीसीआई अधिकारियों से मुलाकात की थी। दावा किया गया है कि बोर्ड के फैसले से पूर्व भारतीय कप्तान खुश नहीं थे। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि चयन समिति ने रोहित को साफ तौर पर बता दिया है कि वे इस वनडे सीरीज के बाद अब उनसे आगे का सोच रहे हैं। चयनकर्ताओं ने पिछले हफ्ते कोच गौतम गंभीर की मौजूदगी में रोहित शर्मा से इस विषय पर बातचीत की थी। चयन समिति का पूरा ध्यान 2027 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए यशस्वी जायसवाल जैसे युवाओं को अधिक से अधिक मौका देने पर है।

शानदार रहा है रोहित का सफर

इससे पहले, सात मई 2025 को रोहित शर्मा ने भारत के इंग्लैंड दौरे से ठीक पहले टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया था, जिसके बाद शुभमन गिल को टेस्ट टीम का नया कप्तान बनाया गया था। रोहित भारतीय क्रिकेट इतिहास के सबसे विस्फोटक और भरोसेमंद सलामी बल्लेबाजों में से एक हैं। उन्होंने अब तक 286 वनडे मैच खेले हैं और कुल 11731 रन बनाए हैं। रोहित ने 56 वनडे मैचों में भारतीय टीम की कप्तानी की है। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी शैली और बेहतरीन नेतृत्व में भारत 2023 विश्व कप के फाइनल तक पहुंचा था। इसके अलावा, उन्होंने अपनी कप्तानी में भारत को संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित 2025 चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब भी जिताया था।

रोहित के हालिया प्रदर्शन पर सवाल

- रोहित शर्मा का हालिया वनडे प्रदर्शन उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा है।
- पिछले आठ वनडे मैचों में उन्होंने 241 रन बनाए हैं।
- इस दौरान उनका औसत 30.1 और स्ट्राइक रेट 88.6 रहा है, जबकि उनके बल्ले से सिर्फ एक अर्धशतक निकला है।
- कार्डिफ वनडे में भी वह लय के लिए संघर्ष करते दिखे और 47 गेंदों में 26 रन बनाकर विल जैक्स का शिकार बने।

बीसीसीआई सूत्र ने कहा, चयनकर्ताओं ने यह तय कर लिया है कि इसके बाद वे वनडे में रोहित शर्मा का चयन नहीं करेंगे। यदि वे सम्मानपूर्वक संन्यास लेना चाहते हैं या तुरंत संन्यास न लेने का फैसला करते हैं, तो यह पूरी तरह से उनका व्यक्तिगत निर्णय होगा। हालांकि, संदेश स्पष्ट है कि रविवार को लॉर्ड्स में होने वाले मैच के बाद चयनकर्ता उन्हें वनडे टीम में नहीं चुनेंगे।

फीफा वर्ल्ड कप: फाइनल से पहले स्पेन के लिए चिंता का विषय बनी यामल-पोरो की फिटनेस

एजेंसी, न्यू जर्सी।

स्पेन ने अर्जेंटीना के खिलाफ होने वाले फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल मुकाबले के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। हालांकि, स्पेन के लिए खिताबी मुकाबले से पहले लैमिन यामल और पेड्रो पोरो की फिटनेस चिंता का विषय बनी हुई है।

न्यू जर्सी में हुए पहले ट्रेनिंग सेशन के दौरान युवा स्टार लैमिन यामल और डिफेंडर पेड्रो पोरो ने बाकी खिलाड़ियों के साथ अभ्यास नहीं किया। दोनों ने मैदान के किनारे हल्की एक्सरसाइज और स्ट्रेचिंग की। लैमिन यामल की बाईं जांघ पर पट्टी बंधी हुई थी। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले उनकी हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आया था। हालांकि, उनकी चोट कितनी गंभीर है, इसकी जानकारी नहीं दी गई है। 'डायरियो एएस' की रिपोर्ट के मुताबिक, उन्हें एहतियात के तौर पर मुख्य ग्रुप से अलग रखा गया ताकि फाइनल से पहले उनकी फिटनेस पर कोई असर न पड़े। यामल इस वर्ल्ड कप में अब तक 496 मिनट तक मैदान पर सक्रिय रहे हैं।

केप वर्डे के खिलाफ एक मैच को छोड़कर उन्होंने हर मुकाबले में शुरूआती एकादश में जगह बनाई है। हालांकि, चोट से वापसी के बाद वे अभी तक अपनी पूरी लय में नहीं दिखे हैं, लेकिन सेमीफाइनल में फ्रांस के खिलाफ उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया। उनकी तेज रफ्तार और शानदार मूवमेंट की वजह से स्पेन को पेनल्टी मिली, जिससे टीम ने बढ़त हासिल की।

दूसरी ओर, पेड्रो पोरो ने स्पेन के सात में से पांच मैचों में शुरूआत की है और कुल 444 मिनट मैदान पर बिताए हैं। उन्होंने ऑस्ट्रिया के खिलाफ राउंड ऑफ 32 और फ्रांस के खिलाफ सेमीफाइनल में गोल भी किया था। सेमीफाइनल के बाद स्पेन के मुख्य कोच लुइस डे ला फुएंते ने बताया कि पोरो की मांसपेशियों में हल्की जकड़न है और फाइनल से पहले उनकी फिटनेस की जांच की जाएगी।

कोच ने यामल की स्थिति पर भी भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि मेडिकल टीम से मिली जानकारी के अनुसार यामल की कोई गंभीर समस्या नहीं है और उनकी हालत ठीक है। रविवार को होने वाला यह मुकाबला स्पेन के लिए बेहद खास होगा। साल 2010 में पहली बार विश्व चैंपियन बनने के बाद यह टीम का पहला वर्ल्ड कप फाइनल है। वहीं, अर्जेंटीना लगातार दूसरी बार और कुल चौथी बार विश्व कप जीतने के इरादे से मैदान से उतरेगा। अर्जेंटीना इससे पहले 1978, 1986 और 2022 में विश्व चैंपियन बन चुका है।

मनोरंजन

सनकी लड़की का रोल करना चाहती हूं; कृति सेनन

कृति सेनन का कहना है कि अब वे लीक से हटकर किरदारों के जरिए खुद को चुनौती देने के लिए उत्साहित हैं। अभिनेत्री ने माना कि वे जाने-पहचाने किरदारों से आगे बढ़ना चाहती हैं और उन्हें खास तौर पर साइकोलॉजिकली इंटेंस किरदार पसंद हैं। उन्होंने कहा कि वे पर्दे पर 'साइको चिक' का रोल निभाना पसंद करेंगी।

'ऑब्सेशन' ने सोचने पर मजबूर किया

कृति सेनन ने हाल ही में 'ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे' के साथ बातचीत में उस तरह के किरदारों के बारे में बात की, जिन्हें वे भविष्य में आजमाना चाहती हैं। उन्होंने बताया कि साइकोलॉजिकल ड्रामा 'ऑब्सेशन' देखने के बाद उन्हें स्क्रिप्ट चुनने के अपने तरीके पर फिर से सोचने की प्रेरणा मिली। फिल्म के असर के बारे में बात करते हुए कृति ने कहा, 'जब मैंने 'ऑब्सेशन' देखी, तो मुझे लगा, 'अरे बाप रे, हमें सेफ खेलने की आदत छोड़नी होगी। हमें कुछ हटकर करना होगा'। इसने मुझे सच में बहुत उत्साहित किया। कृति सेनन एक 'साइको' लड़की का किरदार निभाना चाहती हैं। एक्ट्रेस ने जेंडाया जैसे स्टार्स को भी इसका क्रेडिट दिया, जिन्होंने अपनी शानदार परफॉर्मेंस मुश्किल किरदारों को निभा पाने की हिम्मत से प्रेरित किया है। कृति ने रियल पर्सनैलिटी से बिल्कुल हटकर किरदार निभाने की ख्वाहिश जताई। उन्होंने कहा, 'मैं एक सनकी किरदार निभाना चाहती हूं'।

बोलीं- 'सेफ नहीं चलना'

कृति सेनन ने कहा, 'मैं किरदारों को लेकर सेफ साइड में नहीं चलना चाहती। एक अभिनेत्री के रूप में, ऐसा जीवन जीना बहुत रोमांचक है, जो आपके जीवन से बिल्कुल अलग है और उस व्यक्ति का पता लगाना जो आप नहीं हैं। मैं पूरी तरह से किसी मानसिक रोगी का किरदार निभाना पसंद करूंगी'। कृति के वर्क फ्रंट की बात करें तो हाल ही में उन्हें 'कॉकटेल 2' में देखा गया।

'हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में लोग सपोर्ट नहीं करते'

अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह कई तेलुगु और हिंदी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। हाल ही में उन्होंने दोनों इंडस्ट्रीज में काम करने के माहौल के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि उन्हें लगता है कि टॉलीवुड में लोग एक बड़े परिवार की तरह काम करते हैं, जबकि बॉलीवुड में माहौल अलग होता है।

तेलुगु और हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में क्या फर्क?

रकुल प्रीत सिंह ने हाल ही में बॉलीवुड हंगामा से बात करते हुए बताया कि तेलुगु इंडस्ट्री ने हमेशा उनका गर्मजोशी से स्वागत किया है और सपोर्ट किया है। रकुल के मुताबिक, वहां के एक्टर्स, डायरेक्टर्स और प्रोड्यूसर्स हमेशा एक-दूसरे का हौसला बढ़ाने के लिए तैयार रहते हैं। उन्होंने कहा कि वे खुशी-खुशी एक-दूसरे के ट्रेलर को प्रमोट करते हैं। फिल्म इवेंट्स में शामिल होते हैं और साथ मिलकर सफलता का जश्न मनाते हैं। उन्हें लगता है कि इस तरह का सपोर्ट सभी के लिए एक खुशहाल और अच्छा माहौल बनाता है।

बोलीं- 'हिंदी इंडस्ट्री में लोग सपोर्ट नहीं करते'

रकुल प्रीत सिंह ने बताया कि उन्होंने क्या सीखा? उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हम सच में पीछे हैं। मेरी ट्रेनिंग तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में हुई है और वह इंडस्ट्री बहुत एकजुट है। मैंने कई बार कहा है कि जब मैं बॉम्बे आई, तो मुझे अचानक एहसास हुआ कि हर कोई इतना कॉम्पिटिटिव क्यों है? वहां भी कॉम्पिटिशन है, लेकिन लोग एक-दूसरे की फिल्मों को सपोर्ट करते हैं। दूसरी ओर, उन्होंने कहा कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में उन्हें अक्सर लोगों में असुरक्षा की भावना महसूस होती है। उन्होंने कहा कि इसी वजह से कई लोग खुलकर दूसरों की फिल्मों को सपोर्ट नहीं करते हैं।

'बॉलीवुड में असुरक्षा की भावना'

रकुल प्रीत सिंह ने आगे कहा, 'हम एक-दूसरे की फिल्म की स्क्रीनिंग या प्रीमियर में जाते थे। उसके बारे में बात करते थे या सक्सेस पार्टी में जश्न मनाते थे। ऐसा नहीं था कि कौन जा रहा है, इसलिए मैं भी जाऊंगी। हर कोई बस एक-दूसरे की मदद के लिए तैयार रहता था। मुझे लगता है कि अगर हम मुंबई की फिल्म इंडस्ट्री में भी वैसी ही भावना ले आएं, तो हम सच में बहुत मजबूत बन सकते हैं।

मुझे लगता है कि असुरक्षा की भावना ऐसा नहीं करने देतीं और यह खुद पर काम करने वाली बात है। रकुल प्रीत सिंह का मानना है कि अगर लोग एक-दूसरे का साथ दें और सपोर्ट करें, तो इंडस्ट्री और भी मजबूत हो सकती है। वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्हें रकुल को आखिरी बार 'पति पत्नी और वो 2' में देखा गया था। इसमें आयुष्मान खुराना, वामिका गब्बी और सारा अली खान भी अहम रोल में नजर आए।

प्रियंका चोपड़ा ने पति निक जोनस से 10 साल बड़े होने पर कही बड़ी बात, बोलीं- 'प्यार में उम्र का फासला मायने...'

बॉलीवुड और हॉलीवुड स्टार प्रियंका चोपड़ा ने अपने पति निक जोनस के साथ उम्र के अंतर पर खुलकर बात की है। एक हालिया पॉडकास्ट में उन्होंने बताया कि उनके रिश्ते में 10 साल का यह अंतर कभी भी कोई परेशानी नहीं बना।

फैंस को दी सलाह

आईएएनएस के अनुसार, पॉडकास्ट के दौरान जब एक महिला ने प्रियंका से पूछा कि वह खुद से 6 साल छोटे लड़के को डेट कर रही हैं, तो वह इस रिश्ते में अपना आत्मविश्वास कैसे बढ़ाएं? इस पर प्रियंका ने जवाब देते हुए कहा कि जब आपको कोई ऐसा जीवनसाथी मिल जाता है, जो आपकी हर उम्मीद पर खरा उतरे, तो उम्र का अंतर कोई चुनौती नहीं रह जाता।

प्रियंका ने कहा कि जिंदगी के बड़े फैसले लेते समय मन में ऐसे सवाल आना स्वाभाविक है। निक जोनस ने भी इस पर कहा कि उनके लिए प्रियंका से 10 साल छोटा होना कभी कोई बड़ी बात नहीं रही।

प्रियंका और निक की लव स्टोरी

प्रियंका और निक की मुलाकात सोशल मीडिया के जरिए हुई थी। कुछ समय डेट करने के बाद दिसंबर 2018 में जोधपुर में उन्होंने हिंदू और ईसाई दोनों रीति-रिवाजों से धूमधाम से शादी की। जनवरी 2022 में सरोगेसी की मदद से उनके घर बेटी का जन्म हुआ, जिसका नाम उन्होंने मालती मैरी चोपड़ा जोनस रखा है।

'वाराणसी' में नजर आएंगी प्रियंका

प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'वाराणसी' को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। इस फिल्म का निर्देशन मशहूर डायरेक्टर एसएस राजामौली कर रहे हैं। इस फिल्म में प्रियंका के साथ महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह एक टाइम-ट्रैवल एडवेंचर फिल्म बताई जा रही है।

मजेदार है खुशाली की 'दुल्हनिया ले आएगी' का ट्रेलर

अभिनेत्री खुशाली कुमार इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'दुल्हनिया ले आएगी' को लेकर सुर्खियों में हैं। यह एंटरटेनमेंट से भरपूर एक फैमिली ड्रामा फिल्म होगी। इसका ट्रेलर देखकर तो कुछ यही लग रहा है। फिल्म 'दुल्हनिया ले आएगी' का ट्रेलर आज 16 जुलाई को रिलीज हो चुका है।

मजेदार है फिल्म का ट्रेलर

फिल्म 'दुल्हनिया ले आएगी' का फर्स्ट लुक पोस्टर बीते महीने रिलीज हुआ था। आज गुरुवार को ट्रेलर सामने आया है। इसमें खुशाली कुमार के अलावा दिग्गज अभिनेता महेश मांजरेकर और पीयूष मिश्रा भी अहम भूमिकाओं में हैं। ट्रेलर की शुरूआत नव्या (खुशाली कुमार) की शादी की टेंशन से होती है। बरेली की रहने वाली नव्या की उम्र 32 हो चुकी है और शादी का बहुत दबाव है।

शादी से एक दिन पहले दूल्हे की खोज शुरू

ट्रेलर की शुरूआत ही तानों के साथ होती है, '32 की हो गई है और कितना टाइम लगेगा'। मगर, नव्या पर इसका जरा भी फर्क नहीं और वह जवाब देती है, 'हर लड़की 31 के बाद 32 की ही होती है।' जवाब मिलता है, 'हमारी रिश्तेदारी में कोई ऐसी लड़की नहीं है, जो 32 की है और उसकी शादी नहीं हुई'। कई लड़के रिजेक्ट करने के बाद एक लड़के से शादी का बात होती है, लेकिन यहां भी राह में रोड़ा है। शादी की तैयारियों के बीच चीजें बिखर जाती हैं। मां-बाप की अलग टेंशन है। ऐसे में किराए के दूल्हे की खोज शुरू होती है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

शादी से एक दिन पहले का मंजर है, जहां मंडप सज गया है। रिश्तेदार आ रहे हैं। मगर, दूल्हे का पता नहीं है। फिल्म का ट्रेलर काफी मजेदार है। इसमें कॉमेडी भी भरपूर है और फैमिली ड्रामा भी। फिल्म का निर्देशन आकाशदित्य लामा ने किया है। यह फिल्म 24 जुलाई को रिलीज होगी। फिल्म का निर्माण सिद्धार्थ बनर्जी, आकाशदित्य लामा और विकास अग्रवाल ने किया है।